R A 7

श्री सामायिक सूत्र

(अर्थ अने सारांश साथे)

Shri Samayika Sutra (With Meaning & Explanation)

(Written in Hindi-English Script)

Inspirer Girish Muni

Publisher:

Shri Pran Parimal Prakashan Trust

2, Sunita Apartment, Jivdaya Lane, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400 086.

SHRI PRAN PARIMAL PRAKASHAN TRUST Life member organisation Knowledge Flower - VI

Book : "Shri Samayika Sutra"

Inspirer : Gujarat Kesari Vvyakhyana

Vachaspati Pujya Shri Girishchandraji

Maharaj Saheb

Edition : Fourth (Finalised) 6,000 Copies

Fair Price : Rs 15/= Sale Price : Rs 37-

Fair Price : Rs. 15/= Sale Price : Rs. 3/=

Photo Compose: Shri Vijay Jani, 'Compu Prints'

Goregaon (East), Bombay - 400 063.

Artist : Shri C. Mohan, Andheri, Bombay.

Printed by : Shri Atul Doshi, 'Print-O-Graphics'

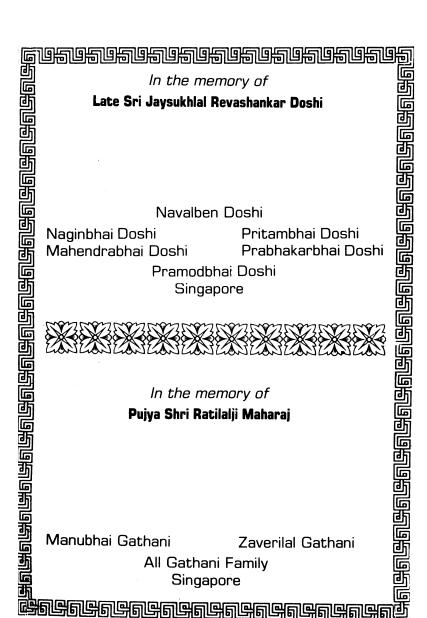
Mulund (West), Bombay - 400 080.

Title Printed : Advance Graphics

Mulund (West), Bombay - 400 018.

All Rights Reserved by Publishers





मारे पण कइंक कहेवुं छे

गुजरात केसरी पूज्य गुरूदेव श्री गिरीशचंद्रजी म.सा. नी असीम कृपा अने आशीर्वादथी श्री प्राणपरिमल प्रकाशन ट्रस्ट साहित्यक्षेत्रे विविध सोपान सर करी रह्युं छे. श्री गोंडल गच्छ द्विशताब्दी संवत्सरे सरलतम नवीन पद्धतिथी अल्प किंमते साहित्य ज्ञानिपपासुना कर कमलोमां मुकतां अत्यंत आनंदनो अनुभव धई रह्यो छे.

आजनो बाळक कालनो सुसंस्कृत नागरिक बने. आजनी विषम परिस्थितिमां शिक्षणक्षेत्रे अंग्रेजी भाषाए पोतानी मजबुत पकड़ जमावी छे. तेनी सामे आपणा बाळकोमां धर्म संस्कारनुं सिंचन करवुं अति आवश्यक छे. घणां समयथी लोकोनी मांग हती के श्री सामायिक सूत्रनुं अंग्रेजीमां प्रकाशन थवुं अति आवश्यक छे.

आजना भौतिकवादना विज्ञानयुगमां मानवनुं जीवन अनेक गुंचवणोथी गुंचवाई गयुं छे. सूखनी शोधमां ते स्वयं खोवाई गयो छे. शांतिनी शोधमां ते स्वयं संताई गयो छे. आनंदनी अनुभूति करतां ते स्वयं अटवाई गयो छे. तेने न तो कोई सुख मळयुं, न मळी शांति के न मळी आनंदनी अनुभूति. आज आपणुं जीवन सुख, शांति अने आनंदनी शोधमां वीती जाय छे. आपणने खबर नथी वास्तविक सुखनी, साची शांतिनी अने आध्यात्मिक आनंदनी.

विज्ञानना युगमां ज्ञाननी वास्तविक धाराने आपणे भूली गया छीए. संतोनुं जीवन ज एक एवं छे के जे आपणने एक एवा वास्तविक ज्ञाननो अनुभव करावे छे. सत्यनो मार्ग देखाडी आत्मिक सुख, साची शांति अने आध्यात्मिक आनंदनी अनुभूति करावे छे.

पूज्य गुरूदेवनुं पण एवं व्यक्तित्व छे के कोई पण व्यक्ति एक वार तेमना चरणोमां आवे छे, ते एमनाथी अवश्य प्रभावित थाय छे. तेमणे पोताना संयमी जीवननो वधु समय समाज विकास, शासन प्रभावना अने धर्म शिक्षा आपवामां लगाव्यो छे. श्रमण भगवान महावीरनी असीम अमृतमय धाराने प्रवाहित करीने बाळको-युवकोने हितप्रद शिक्षा आपे छे जेनाथी तेमनुं सर्वांगीण जीवन सुंदर बने. तेना रोम-रोममां भगवान महावीरना अमूल्य सिद्धांतो रहे.

स्थानकवासी जैन धर्ममां बत्रीस आगम छे, तेमां अंतिम आगमनुं नाम छे ''श्री आवश्यक सूत्र''. तेना छ आवश्यकोमां प्रथम आवश्यक छे ''सामायिक''. जैन धर्मनी साधनानो प्राण छे ''सामायिक''. प्रत्येक जैने प्रतिदिन ओछामां ओछी एक सामायिक अवश्य करवी जोईए. जीवनमां जो सामायिक करी नहीं तो कंईज कर्युं नथी. ४८ मिनिटनी सामायिक आत्मिक सुख, साची शांति अने आध्यात्मिक आनंदनो रसास्वाद करावे छे.

आपणा बाळकोमां धर्मनुं अनुपम ज्ञान थाय. सामायिक जेवी उत्तमोत्तम साधनामां स्थिर थाय. आम ऊँडा चिंतनथी आ श्री सामायिक सूत्रनुं अंग्रेजी प्रकाशन कर्युं छे.

अंग्रेजी भाषामां श्री सामायिक सूत्रना घणा पुस्तको तथा आवृत्तिओ प्रकाशित थई चुकी छे. छतां पण आ पुस्तक पोतानी अनूठी प्रतिमा पाडशे. आ पुस्तकमां श्री सामायिक सूत्र उपरांत जैन धर्मनी घणी माहितीने संग्रहीत करवामां आवी छे. पुस्तक प्रकाशनमां शुद्धिनुं प्रथम ध्यान राखवामां आव्युं छे. छतां पण कोई भूल या अशुद्धि रही जवा पामी होय तो वाचक वर्ग अवश्य सूचित करे. अशुद्धिने शुद्ध करी वांचवामां पूर्ण ध्यान राखे.

आ प्रकाशनमां श्रद्धाशील महानुभावोए पूज्यश्रीनी प्रेरणाथी ज्ञानदाननो अमूल्य लाभ लई अमने जे सहयोग आप्यो छे तेने अमो कदापि भूली नहीं शकीए. अमो तेमनो हृदयथी आभार व्यक्त करीए छीए.

अमोने आशा छे के आ पुस्तक आप सौना जीवन मार्गमां अवश्य मार्गदर्शक बनशे. आपने आत्मिक सुख, साची शांति अने आध्यात्मिक आनंदना मार्ग पर अग्रसर बनावशे एवी मंगल कामनाओ साथे.....

> भवदीय **श्री प्राण परिमल प्रकाशन ट्रस्टना** ट्रस्टीगण

Scheme of Transliteration

a	to be recited as	अ	#	ña	to be recited as	ञ
ā	n .	आ		ţā	"	₹.
i	, n	इ		tha		ਰ
ī	"	इ ५ उ		фа	"	ड
u	<i>n</i> .	उ	Ī	ḍha	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	ढ
ũ	y 11	ऊ		ņa	"	ण
ŗ	<i>n</i>	ऋ		ta	· ·	त
<u> </u>	"	稺		tha	"	थ
İ	"	ऋ ल ए ऐ ओ औ		da	"	द
е	,,	ए		dha	"	ध
ai	"	ऐ		na	"	न
0	"	ओ		pa	"	प
au	"	औ		pha	<i>"</i> -	फ
ṁ	"			ba	"	ब
'n	"		I	bha	"	भ
h (visarga)	"	:		ma	"	म
S (avagraha)	"	2		ya	· •	य
ka	"	क		ra	,,	₹
kha	"	ख		la	. "	ल
ga	"	ग		va	"	व
gha	"	घ		sha	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	श
'nа	"	ङ		șha	"	ष
cha	"	च		sa	"	स
chha	,,	छ		ha		ह
ja	" ,	ज		ķsha	"	क्ष
jha ¯	"	झ		٠		

What	Where?
What is Sāmāyika?	1
What are the benefits of Sāmāyika?	.3
What you have to do in Samayika?	5
What should not be done while doing Samayika?	7
Namaskāra Sūtra	10
Guru Vańdana Sūtra	13
Iriyāvahiyam Sūtra	15
Tassa Uttari Sutra	21
Jin Prayer S u tra	27
Karemi Bhańte Sūtra	35
Namotthuṇaṁ Sūtra	39
Procedure to complete the Sāmāyika	48
Important Rules	58
What to do during the Period of Sāmāyika?	60
How to do the Sāmāyika Vrata?	62
How to complete the Sāmāyika Vrata?	65
The 32 Faults to be avoided during	07
"Sāmāyika Vrata"	67
108 Qualities of Pancha Parmeshthi	75
63 Shalākā Purusha's Name	86
11 Gaṇadhara's Name	91
16 Sati's Name	92
10 Shravaka's Name	93
32 Sūtra's Name	94

सामायिक शुं छे? WHAT IS SĀMĀYIKA?

सामायिक समता अने साम्यतानी साधना छे.

Sāmāyika is an accomplishment of equality and agreement.

सामायिक आवश्यक क्रियानुं प्रथम चरण छे.

Sāmāyika is the first quarter of āvashyaka kriyā.

सामायिक सत्यं-शिवं-सुंदरम्नी चावी छे.

Sāmāyika is the key to satyam-shivam-sundaram.

सामायिक जैन धर्मनो प्रारंभ छे.

Sāmāyika is the beginning of the jain religion.

सामायिक आत्म धर्मनुं दर्शन छे.

Sāmāyika is the realization of self-religion.

सामायिक बाळकोना संस्कार छे.

Sāmāyika is childrens' embellishment.

सामायिक युवकोनो पुरुषार्थ छे.

Sāmāyika is youth's effort.

सामायिक स्त्रीओनो श्रृंगार छे.

Sāmāyika is women's decoration.

सामायिक मानवनो आदर्श छे.

Sāmāyika is a man's ideal.

सामायिक आत्मानुं स्वास्थ्य छे.

Sāmāyika is self's comfort.

सामायिक आत्मानुं औषध छे.

Sāmāyika is self's medicine.

सामायिक पवित्रतानुं प्रतिक छे.

Sāmāyika is the symbol of purification.

सामायिक वीतरागतानुं दर्शन छे.

Sāmāyika is the realisation of freedom from passion.

सामायिक मुक्तिनो महामार्ग छे.

Sāmāyika is the path to emancipation.

सामायिक निजानंदनी मस्ती छे.

Sāmāyika is spiritual joy.

सामायिक ए ज आत्मा छे.

Sāmāyika is the soul.

अंडे खाना डकैती है (Egg Eating involves Cruelty and Robbery)

"The egg is the unborn chick. Egg eating is prenatal poultry robbery or chicken foetuscide."

— Dr. J. Amon Wilking

अंडा अव्यक्त मुर्गी का बच्चा है। अंडा खाना एक प्रकार का गर्भ में डकैती डालने के समान है या यों किहये मुर्गी के बच्चे की हत्या के बराबर है।

— डा. जे. एमन विलकिन्ज

सामायिकथी शुं लाभ? WHAT ARE THE BENEFITS OF SĀMĀYIKA?

सामायिकथी व्यसन मुक्ति थाय छे.

Sāmāyika leads to freedom from bad habits.

सामायिकथी चिंता चाली जाय छे.

Sāmāyika causes all the worries to disappear.

सामायिकथी वैर समाप्त थाय छे.

Sāmāyika leads to end of disputes.

सामायिकथी घर नंदनवन बने छे.

Sāmāyika makes home a pleasure garden.

सामायिकथी प्रेम प्रकट थाय छे.

Sāmāyika presents love.

सामायिकथी साधुता आवे छे.

Sāmāyika leads to good conduct.

सामायिकथी साचुं बळ मळे छे.

Sāmāyika gives true strength.

सामायिकथी कार्यमां सफळता मळे छे.

Sāmāyika gives success in all work.

सामायिकथी आत्म शुद्धि थाय छे.

Samayika purifies the soul.

सामायिकथी पारिवारिक शांति मळे छे.

Sāmāyika gives family peace.

सामायिकथी बृद्धिमां वृद्धि थाय छे.

Sāmāyika leads to increment in knowledge.

सामायिकथी सौभाग्यनी प्राप्ति थाय छे.

Sāmāyika gives good fortune.

सामायिकथी दुश्मन मित्र थई जाय छे.

Samayika causes enemies to become friends.

सामायिकथी बधे सन्मान वधे छे.

Sāmāyika gives respect everywhere.

सामायिकथी रोगनो नाश थाय छे.

Sāmāyika destroys all diseases.

सामायिकथी मोक्षनी प्राप्ति थाय छे.

Sāmāyika leads to the emancipation of the soul.

Who is Young?

Y – Youth – यौवन, जवानी

O - Optimistic - आशावादी

U – Useful – उपयोगी

N – Noble – उदार, कुलीन

G – Gentle – सज्जन, सुशील, शान्तिकर

सामायिकमां शुं करवुं जोईए? WHAT YOU HAVE TO DO IN SĀMĀYIKA?

सामायिकमां समता राखवी जोईए.

During samayika one should keep peace of mind.

सामायिकमां सादा वस्त्र पहेरवा जोईए.

During samayika one should wear simple clothes.

सामायिकमां एक स्थान पर बेसवुं जोईए.

During samayika one should be seated at one place.

सामायिकमां शुद्धि राखवी जोईए.

During sāmāyika one should keep clean.

सामायिकमां प्रार्थना करवी जोईए.

During sāmāyika one should meditate & pray.

सामायिकमां वंदना करवी जोईए.

During sāmāyika one should bow down.

सामायिकमां काउस्सग्ग करवो जोईए.

During sāmāyika one should do kāussagga.

सामायिकमां जाप करवो जोईए.

During sāmāyika one should mutter prayers.

सामायिकमां प्रवचन सांभळवुं जोईए.

During sāmāyika one should listen to sermons.

सामायिकमां ध्यान करवुं जोईए.

During sāmāyika one should meditate.

सामायिकमां अनान्पूर्वी करवी जोईए.

During samayika one should do ananupūrvi.

सामायिकमां धर्मकथा करवी जोईए.

During sāmāyika one should read religious stories.

सामायिकमां माळा करवी जोईए.

During sāmāyika one should tell beads of rosary.

सामायिकमां स्वाध्याय करवो जोईए.

During sāmāyika one should regularly study Vedas.

सामायिकमां नवुं ज्ञान सीखवुं जोईए.

During sāmāyika one should attain new knowledge.

सामायिकमां आत्मचितन करवुं जोईए.

During sāmāyika one should do meditation.

बर्नार्ड शॉ ने कहा

We are the Living Graves of Murdered Beasts.
Slaughtered to Satisfy our apetites,
We Never, Pause to Wonder at Our Feasts,
If animals, like Man, can possibly have rights
George Bernard Shaw

उन व्यक्तियों के पेट चलते फिरते कब्रिस्तान है जो अपनी भूख को शान्त करने के लिए पशुओं को कल्ल करके अपने पेट में डालते हैं। हमने भोजों के समय इस बात पर कभी विचार नहीं किया कि यदि पशुओं को भी मनुष्य की तरह जुल्म करने के अधिकार होते तो मनुष्य जाति की क्या दशा होती?

सामायिकमां शुं न करवुं जोईए? WHAT SHOULD NOT BE DONE WHILE DOING SĀMĀYIKA?

सामायिकमां मिटींग नहीं करवी जोईए.

No meetings should be held while doing samayika.

सामायिकमां कषाय (क्रोध-मान-माया-लोभ) नहीं करवो जोईए.

While doing samayika one should not get angry, should keep the mind free from worldly desires.

सामायिकमां निंदा-विकथा नहीं करवी जोईए.

While doing samayika one should not criticise or talk evil.

सामायिकमां खोटी वात नहीं करवी जोईए.

While doing samayika one should not tell lies.

सामायिकमां प्रभावना नहीं लेवी जोईए.

While doing samayika one should not take 'prabhavana' (gifts).

सामायिकमां सुवुं नहीं जोईए.

While doing samayika one should not sleep.

सामायिकमां आळस-प्रमाद नहीं करवो जोईए.

While doing samayika one should not become lazy.

सामायिकमां वारंवार चालवुं-दोडवुं नहीं जोईए.

While doing samayika one should not walk or run often.

सामायिकमां वारंवार घडियाळमां समय जोवो नहीं.

While doing samayika one should not see the time in watch often.

सामायिकमां खराब विचार नहीं करवा जोईए.

While doing samayika one should not get bad thoughts.

सामायिकमां असत्य बोलवुं नहीं जोईए.

While doing samayika one should not tell lies.

सामायिकमां खराब काम नहीं करवुं जोईए.

While doing samayika one should not do any bad work.

सामायिकमां खावानी ईच्छा नहीं करवी जोईए.

While doing samayika one should not thoughts of eating.

सामायिकमां झाडुं नहीं काढवुं जोईए.

While doing samayika one should not clean with a broom.

सामायिकमां लडवुं नहीं जोईए.

While doing sāmāyika one should not fight.

सामायिकमां आर्त-रौद्र ध्यान (रोवु नहीं जोईए) न जोईए.

While doing samayika (one should not cry) one should not be in a sad-angry mood.

सामायिकमां चोरी नहीं करवी जोईए.

While doing samayika one should not steal anything.

सामायिकमां संग्रह करवानी ईच्छा नहीं करवी जोईए.

While doing samayika one should not have thoughts for storing things.

सामायिक शणगार करी नहीं करवी जोईए.

One should not do any 'shaṇagāra' (decoration) before doing sāmāyika.

मनुष्य माटे शाकाहार साचो आहार होई शके तेना बीजां अनेक कारणों गणावी शकाय जेवां के:

- (1) शाकाहार सस्तो खोराक छे अने मोटा जथ्थामां तेनुं उत्पादन थई शके तेवो छे. (आपणे अेटलुं याद राखवुं जरुरी छे के प्राणीओ घणुं खानार जीवो छे ज्यारे वनस्पति मोटा उत्पादक छे.)
- (2) साधारण रीते शाकाहार प्रथम तबक्कानो खोराक छे ज्यारे मांसाहार बीजा तबक्कानो (सेकन्ड हेन्ड) आहार छे केम के प्राणीओ, पंखीओ वगेरे पहेलां वनस्पति खाय छे तेमांथी तेमना बनेला मांसने मनुष्य आरोगे छे.
- (3) मांसाहारमां शरीरने शक्ति आपता कार्बोहाईड्रेटनुं प्रमाण निहवत होय छे ज्यारे शाकाहारमां सारा प्रमाणमां होय छे. शाकाहारीना मुख्य खोराक अनाज अने कठोळमां मांस करतां खास ओछुं प्रोटीन होतु नथी ज्यारे प्रमाणमां केलरी घणीज वधु होय छे अटले ते अकधारी शक्ति आपी शके छे.

नैतिक मूल्यः मांस अने लोहीना उपभोगथी आपणा विचारो अने वृत्तिओ पण अेवांज थाय छे. हणायेलां प्राणीओनी जीवती कबर मांस खानार छे अेवुं कहेवामां आवे तो तेमने केवुं लागे? तो पछी ओ निर्दोश प्राणीओ, पंखीओ, माछलीओ वगेरेने मारवानो आपणने शो हक्क छे?

नमस्कार सूत्र NAMASKĀRA SŪTRA

नमो अरिहंताणं Namo Arihantāṇam

नमो सिद्धाणं Namo Siddhānam

नमो आयुरियाणं Namo Ayariyanam

नमो उवज्झायाणं Namo Uvajzayāṇaṁ

नमो लोए सव्वसाहूणं

Namo Loe Savva Sāhūnam

एसो पंच नमोक्कारो सव्व पावप्पणासणो Eso Pańcha Namokkāro

Savva Pāvappaṇāsaṇo मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवई मंगलं । Maṅgalāṇaṁ cha Savvesiṁ, Paḍhamaṁ Havai Maṅgalaṁ

- नमस्कार होजो अरिहंतोने ।
- : My obeisance to all Arihantas.
- 🗜 नमस्कार होजो सिद्धोने ।
- : My obeisance to all Siddhas
- 🗜 नमस्कार होजो आचार्योने ।
- : My obeisance to all Achāryas
- **:** नमस्कार होजो उपाध्यायोने ।
- My obeisance to all Upādhyāyas
- नमस्कार होजो लोकना सर्व साधुओने।
- : My obeisance to all Sādhujīs (Saints) of the Universe
- आ पांच नमस्कार पद, सर्व पापोनो नाश करनार छे।
- These five obeisances destroy all the sins
- सर्व मंगलोमां आ प्रथम मंगल छे।
- This is the first mangala amongst all the mangalas.

The meaning and explanation of the FIRST LESSON

SUMMARY: This Namaskāra Mantra is also known as Manā Mantra. Here is some information of the 5 'Padas'.

1) To whom we call ARIHANTA?

Ignorance, Sleep, Fascination and Impediment are four greatest faults (enemy) of the soul. Who has acquired victory over these faults is 'ARIHANTA' whose other name is JINESHWARA, DEVĀDHIDEVA, TĪRTHANKARA BHAGAWĀNA". One who establishes the place of pilgrimage of four forms (i.e.) SĀDHU, SĀDHVĪ, SHRĀVAKA, SHRĀVIKĀ is known as TĪRTHANKARA. Master of Eternal Knowledge, Eternal Sight, Eternal Character, Eternal Strength, possessing twelve great virtues (qualities) is "ARIHANTA BHAGAWĀNA, who is our Lord, in whom we have faith, are devoted to and worship, we bow to them.

2) To whom we call SIDDHA?

Ignorance, Sleep, Pain, Fascination, Age of life, Name, Tribe and Impediments are the soul's 8 (eight) greatest faults (i.e.) karma. One who has acquired victory over these and has become pure, intelligent, faultless, formless is known as "SIDDHA BHAGAWĀNA". Eternal Knowledge, Eternal Sight, Avyābādha Sūkha, Kshāyika Samyaktva, Akshaya Sthiti, Formless Agurulaghutā and Eternal Strength are the 8 (eight) greatest

virtues which they possess. The Lord of our faith, worship, restraint and reward of our prayers is SIDDHA BHAGAWĀNA. We pay our salutation to them.

3) To whom we call ACHARYA?

One who maintains the 5 Mahavrata, 5 Samiti, 3 Gupti and 5 Acharas and also preaches about the 'Acharas' to the people is known as 'ACHARYA'. We give our salutation to the 'ACHARA' leaders of the ACHARYAS of the 'CHATURVIDHA SHRI SANGHA'.

4) To whom we call UPADHYAYA?

One who has knowledge of the eleven Angas, twelve Upangas and other 'Agama's' and preaches knowledge to the people. Who possess 25 virtues are known as Upadhyayas. We give our salutations to the knowledge leaders of the Upadhyayas of the 'CHATURVIDHA SHRI SANGHA

5) To whom we call SADHU-SADHVI?

Who has five Mahāvratas, five Samitis, three Guptis and obeys them, who has no bondage of attachment, feelings & bears with twenty-two Parishaha and does the penance of patience, who possess twenty-seven virtues are known as SĀDHU-SĀDHVĪ. We give our salutations to the leaders of SĀDHU-SĀDHVĪ in the entire world.

In Jainism this is the best mantra. By doing Japa at least 108 times we get mental peace, comfort and internal strength.

SECOND LESSON

गुरु वंदन सूत्र GURU VANDANA SŪTRA

तिक्खुत्तो

Tikkhutto

आयाहिणं

🕻 त्रण वार

: Three times

🗜 बन्ने हाथ जोडी जमणी बाजुथी

आरंभ करी

Āyāhiṇam

 With folded hands, starting from the right, back to the right side

पयाहिणं

Payāhiṇam

वंदामि

Vandāmi

नमंसामि

Namamsāmi

सक्कारेमि

Sakkāremi

सम्माणेमि

Sammāņemi

कल्लाणं

Kallaņam

मंगलं

Maṅgalaṁ

देवयं

Devayam

: प्रदक्षिणा करीने

: With round movements

🖁 वंदना करुं छुं, गुण स्तुति करुं छुं।

: I bow down

🗜 नमस्कार करुं छुं।

I pay my salutations

🗜 सत्कार करुं छुं।

: I pay my respect

🗜 सम्मान करुं छुं।

: I honour you

🗜 कल्याण रूप छो ।

: You are benevolent

🗜 मंगल रुप छो ।

: You are holy

ः धर्मदेव रुप छो।

You are divine

चेइयं : ज्ञानवंत छो।

Cheiyam : You are knowledge incarnate

पञ्जुवासामि : सेवा भक्ति करुं छुं।

Pajjuvasami : I Worship you

मत्थ्रएण : मस्तक नमावीने

Matthaena : With forehead bent

वंदामि : वंदन करुं छुं।
Vandāmi : I bow to you

The meaning & explanation of the SECOND LESSON

SUMMARY: The first two 'PADAS' (STANZAS) are called 'DEVA' & three 'PADAS' (STANZAS) are called 'GURU'. This lesson shows the process of praying to the Pancha Parameshthi Bhagawana. We pay our salutation, respect, honour and worship our Devas and Gurus and bow to them three times by bending the five parts of our body. By bowing down, modesty, politeness, simplicity and manners are created. We should always bow.

ईसाई धर्म ने क्या कहा?

"Thou Shalt not kill"
अर्थात — किसी की हत्या मत कर।
खुदा की मुख्य आज्ञा मौजाज को।
"I desire mercy and not Sacrifice" (Gensis)

अर्थात — मैं दया चाहता हूं, कुर्बानी नहीं।

इरिया वहियं सूत्र IRIYĀ VAHIYAM SŪTRA

(Expiation or Atonement)

इच्छामि : इच्छुं छुं।

Ichchhāmi : I desire

पडिक्कमिउं : पाप कर्मथी

Padikkamium : Free my self from sin

इरिया वहियाए : रस्तामां चालती वखते

Iriyā Vahiyāe : While walking on a path

विराहणाए : विराध्या होय (दु:ख दीधुं होय)

Virāhaṇāe : I may have hurt the living

beings

गमणा गमणे : जतां आवतां

Gamaṇa Gamaṇe : While moving

पाणवकमणे : प्राणीने कचर्यां होय

Pāṇakkamaṇe : I may have crushed animals

बीयक्कमणे : बीज कचर्यां होय

Biyakkamane : I may have crushed the

seeds

हरियक्कमणे : वनस्पति कचरी होय

Hariyakkamane : I may have crushed the

plants

ओसा : झाकळ, ठार

Osā : Dew

उत्तिंग : कीडी आदिना दर

Uttinga : The living place of insects

पणग

Panaga

दग

Daga

मटटी

Matti

मक्कडा

Makkadā

संताणा

Santana

संक्रमणे

Sankamane

जे

Je

मे

Me

जीवा

Jivā

विराहिया

Virāhiyā

ै पंचरंगी लीलफुल, शेवाळ

The moss of five colours

मचित पाणी

The live water

: सचित माटी

The live earth

🗜 करोळियाना पड

The webs of the spiders

करोळियानां जाळां

The expansion of the spiders

webs

🗜 संक्रमण करवाथी, चांपवाथी

: I may have destroyed

: जे कोई

: Who ever

माराश्री

By me

: जीवो

Living beings

🗜 विराध्या होय, दुःख पाम्या होय

May have been pained or

hurt

🗜 एक इन्द्रियवाळा जीवों जेने मात्र एक स्पर्शेन्द्रिय (काया) छे (जेवा के पृथ्वी, पाणी, अग्नि, वायु, अने

वनस्पति)

_			•			_
E	g	ı	n	d	Ŋ	ya

: The souls having only one sense i.e. the sense of touch (eg. earth, water, fire, air and plants).

बेइंदिया

 बे इन्द्रियवाळा जीवों जेने स्पर्शेन्द्रिय अने रसनेन्द्रिय (काया अने जीभ) छे (जेवा के कीड़ा, पुरा, शंख, छीप विगेरे)

Beindiyā

The souls with two senses i.e. the sense of touch and taste (eg. worms, shell, conch, water worms etc.)

तेइंदिया

न्नियवाळा जीवों जेने स्पर्शेन्द्रिय रसनेन्द्रिय अने घ्राणेन्द्रिय (काया, जीभ, अने नासिका) छे (जेवा के कीडी, मंकोडा, जु, लीख विंगेरे)

Teindiya

: The souls with three senses, i.e. the senses of touch, taste and smell (eg. ants, black ants, lice, bigger lice etc.)

चउरिंदिया

 चार इन्द्रियवाळा जीवों जेने स्पर्शेन्द्रिय, रसनेन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय, अने चक्षुरिन्द्रिय (काया, जीभ, नासिका अने आँख) छे (जेवा के माखी, भमरा, मच्छर, वींछी विगेरे)

Chauriṅdiyā

The souls with four senses namely the senses of touch, taste, smell and vision (eg. flies, bees, wasps, mosquito, scorpion etc.)

पंचिदिया

Pańchińdiyā

अभिहया Abhihayā

वितया Vattivā

लेसिया Lesiyā संघाईया Saṅghāiyā

संघट्टिया Sanghattiyā पांच इन्द्रियवाळा जीवों जेने स्पर्शेन्द्रिय, रसनेन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय, चक्षुरिन्द्रिय अने श्रोतेन्द्रिय (काया, जीभ, नासिका, आंख अने कान) छे (जेवा के जलचर, थलचर, खेचर, तिर्यंच, मनुष्य, देवता, नारकी)

: The souls with five senses i.e. the senses of touch, taste, smell, vision and hearing eg. beings of water (fish etc.), beings of land (animals like horses etc.) beings flying in the sky (birds etc.) i.e. all animals (तिर्यंच), men (मनुष्य), heaven dwellers (देवता), and hell-dwellers (नारकी).

: सामा आवतां हण्या होय

 May have obstructed while coming

🗜 धूळ आदिथी ढांक्या होय

: May have covered by dust

: मसळ्या होय

: May have crushed

🗜 एक बीजां साथे टकराव्या होय

: May have collided with each other

🗜 स्पर्श करी दुःख पमाङ्युं होय

: May have hurt by touching

परियाविया

Pariyāviyā

किलामिया

Kilāmiyā

उद्द्विया Uddavivā

ठाणाओ

Thāṇāo

ठाणं

Thāṇaṁ

संकामिया

Sańkāmiyā

जिवियाओ

Jiviyāo

ववरोविया Vavaroviyā

तस्स

Tassa

मिच्छा

Michchha

मि

Mi

दुक्क्डं

Dukkadam

 परितापना आपी होय, कष्ट आप्युं होय

: May have caused pain

🗜 किलामना उपजावी होय,

ग्लानि उपजावी होय

: May have tired or caused injury

🗜 उपद्रव, त्रास, ध्रास्को पमाड्यो होय

May have frightened them

🗜 एक स्थान परथी

: From one place

: बीजे स्थाने

: to another

🗜 मूक्या होय

: May have kept (moved)

: जीवनथी

: From life

: जुदा कर्या होय

: May have deprived them

🗜 ते संबंधी

: In that connection

🗜 मिथ्या थाओ, निष्फळ थाओ।

: May be forgiven

: मारुं

: Mine

द्रकृत्य, पाप

: Bad acts, sins.

The meaning & explanation of the THIRD LESSON

forgiveness of sins that might have been committed by us knowingly or unknowingly by walking and moving around. We may have hurt souls with one, two, three, four or five senses. This lesson teaches us to know our sins and how to become free from them.

अंडों से दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर आदि (Eggs cause heart diseases, High blood pressure etc.)

"Even if we had the best of eggs, we would be better off without then as they are too high in Cholesterol, one important cause of arteries, heart, brain, kidney diseases and gall stones. Fruits and Vegetables and Vegetable oils have none or hardly any Cholesterol"

— Dr. Ketnerine Nimmo, D.C.R.N. Oceano. California (U.S.A.)

अर्थात् यदि बढ़िया अंडे भी मिलें तो भी उनके बिना ही हम अधिक खस्थ रहेंगे, क्योंकि उन अंडों में कोलेस्टरोल की मात्रा इतनी अधिक होती है कि जिसके कारण अंडों से दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, गुरदों की बीमारी, पित्त की थैली में पत्थरी आदि रोग पैदा होते हैं। फलों, सब्जियों और वनस्पति तेलों में कोलैस्टरोल बिलकुल नहीं होता

— डा. कैथीराइन निम्मो, डॉ.सी.आर.एन., ओसियों, कैलिफोर्निया, (यू.एस.ए.)

चोथो पाठ

FOURTH LESSON

तस्स उत्तरी सूत्र TASSA UTTARĪ SŪTRA

(Elevation of the Soul)

तस्स : तेनी (एवा मारा दुषित आत्मानी)

Tassa : For the

उत्तरी : विशेष उत्कृष्टता (शुद्धि)

Uttari : Elevation (of the soul)

करणेणं : करवा माटे

Karaṇeṇaṁ : to do

पायच्छित : प्रायश्चित (पापनुं)

Payachchhitta : Atonement, expiation

करणेणं : करवा माटे Karanenamं : For doing

विसोहि : वधारे निर्मल (विशुद्ध) Visohi : More purification

करणेणं : करवा माटे Karanenamं : For doing

विसल्ली : त्रण शल्य रहित (माया, नियाणुं अने

: मिथ्यात्त्व)

Visalli : Without the three darts (viz. hypocrasy, ardent

desire and false faith)

करणेणं : करवा माटे Karanenami : For doing

पावाणं : पाप **Pāvāṇaṁ** : Sins

कम्माणं : कर्मोने Kammānam Actions, Deeds निग्घायणट्ठाए : नाश करवा माटे Nigghäyanatthäe For destroying ठामि **क**रं छं Thāmi : Am doing काउस्सग्गं 🗜 कायोत्सर्ग (एक स्थाने रही कायाने स्थिर राखी) Kaussaggam : In a motionless posture अन्तत्थ अन्य क्रियाओं द्वारा (नीचे बतावेला तेर आगारो सिवाय कायोत्सर्गमां शेष काय व्यापारोनो त्याग कर्ं छं) **Annattha** : With (thirteen) exceptions as follows उसिएणं **ः** उच्छवासथी (ऊंचो श्वास लेवाथी) (8) Usasienam Breathing in deeply (1) निससिएणं 🗜 निःश्वासथी (नीचो श्वास मुकवाथी) (2) Nisasienam Breathing out deeply (2) 🖁 खांसीथी, उधरसथी (३)

खासिएणं Khāsienam

छीएणं

Chhienam

जंभाइएणं

Jambhāeieņam

Due to coughing (3)

টিক आववाधी (४)

Due to sneezing (4)

🖁 बगास् खावाथी (५)

: Due to yawning (5)

उड्डुएणं

Udduenam

वायनिसग्गेणं Vāvanisagganari

Vāyanisaggeņam

🖁 ओडकारथी (६)

Due to eructation (6)

🕯 अपान वायुथी, वा छूटवाथी (७)

Due to dispersion of bodily

gas (7)

भमलीए : चक्कर आववाथी (८)

Bhamalie : Due to giddiness (8)

पित्त : पित्त विकारथी (९)

Pitta : Due to vomiting sensation (9)

मुच्छाए : मूर्च्छा आववाथी (१०)

Muchchhae : Due to fainting (10)

सुहुमेहिं : सूक्ष्म, जरा

Suhumehim : Due to subtle

अंग : शरीरना अंग (११)

Anga : Parts of the body (11)

संचालिहिं : संचारथी, हलवाथी

Sanchalehim : Movements

सुहुमेहिं : सूक्ष्म, जरा

Suhumehim : Due to subtle

खेल : कफ गळवाथी थता (१२)

Khela : Cough (12)

संचालेहिं : संचारथी

Sanchalehim : Movements

सुहुमेहि : सूक्ष्म, जरा

Suhumehim : Due to subtle

दिटिठ 🖁 दुष्टि, आँख (१३) Ditthi : Eyes (13) संचालेहिं : संचारथी Sanchālehim Movements एवमाइएहि । एवा तेर बोल अने बीजा पण Evamāiehim : These thirteen types and others आगारेहिं : आगारोथी. अपवादोथी Āgārehim : Exceptions अभगगो **:** भांग्या विनानो **Abhaggo** Unbroken, Undisturbed (Steady posture) अविराहिओ : अविराधित **Avirāhio** : Be unviolated : होजो हुज्ज Hujja : May मे : मारो : My Me काउस्सग्गो : कायोत्सर्ग Kāussaggo : Motionless posture 🖫 ज्यां सुधी जाव Jāva : As long as अरिहंताणं : अरिहंतोने Arihantanam To Arihantas

: भगवंतोने

To the Lords

भगवंताणं

Bhagavantanam

नमोक्कारेणं : नमस्कार करीने (नमस्कारना पांच

: पद स्मरण करीने)

Namokkareṇaṁ : By mentally meditating the

namaskāra sūtra

न : (कायोत्सर्ग) न

Na : Do not, unable

पारेमि : पारुं, पूर्ण करुं Paremi : Complete

ताव : त्यां सुधी Tāva : Till then

कायं : (मारी) कायाने, शरीरने

Kāyaṁ : My body (I will keep)

ठाणेणं : एक स्थाने स्थिर राखीने

Thanenam : In a motionless posture at one place

मोणेणं मौन रहीने

Monenam : In complete silence

(without speaking)

झाणेणं धर्मध्यान करी (ध्यानस्थ रही)

Jhāṇeṇaṁ : Meditating अप्पाणं : मारा आत्माने

Appaṇam : (Keeping) my soul

वोसिरामि : (पापकर्मोथी) अलग राखुं छुं, दूर राखं छुं

Vosirāmi : Aloof, away

नोट : ''ठाणेणं'' थी ''वोसिरामि'' सुधीना शब्दो काउस्सग्ग करती वखते मनमां बोलवा पछी ''इरियावहि'' अने ''नमस्कार''नो काउस्सग्ग मौन राखीने करवो ।

Note: The words from "TḤĀNEŅAM" to "VOSIRĀMI" should be recited mentally, then "IRIYĀVAHI" and "NAMASKĀRA" should be recited mentally in the motionless posture.

The meaning & explanation of the FOURTH LESSON

SUMMARY: To known our sins and to be able to understand 'Paramātmā' — Lords qualities, we do 'Kāussagga" — the motionless posture. The exceptions are kept open by which Kāussagga is done. The duration of Kāussagga and the method of keeping the mind, speech and body steady are explained in this lesson. We should always do Kāussagga.

जैन धर्म में अहिंसा संदेश जावंति लोए पाणा, तसा अदुवा थावरा । ते जाणमजाणं वा, न हणे नो वि घायए ।।

इस पृथ्वी पर ज़ितने भी कीट-पतंग, पशु-पक्षी एवं वृक्ष आदि प्राणी हैं, उन सबकी जानकर या अनजाने में होनेवाली हिंसा से बचो, उनकी हत्या न करो और न ही उनकी हत्या होने दो।

सव्वे जीवा वि इच्छंति, जीविउ न मरिज्जिउ।

इस धरती के सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता, इसीलिए किसी भी जीव को मत मारो। पांचमो पाठ

FIFTH LESSON

लोगस्स अथवा चउवीसंथो LŌGASSA OR JIN PRAYER

लोगस्स

: (चौद राज लोक प्रमाणे संपूर्ण) लोकमां

Lõgassa

: In the universe

उज्जोयगरे

🗜 (केवलज्ञान रूपी प्रदीपथी) उद्योत

करनार, प्रकाश करनार

Ujjoyagare

: Create illumination

धम्म तित्थयरे

🖁 धर्म तीर्थना स्थापनारा

Dhamma Titthayare

Establisher of the four Tirthas (namely — Sādhūs - Sādhvis - Shrāvakas -

Shrāvikās)

जिणे

: राग-द्वेषना विजेता

Jiņe

: Conquerors of love and hatred

अरिहंते

कर्मरुपी शत्रुने हणनारा अरिहंतोनी

Arihante

: Arihantas — who are the destroyers of karma

कित्तइस्सं Kittaissam **ै** कीर्ति, स्तुति, प्रशंसा करुं छुं

चउवीसं

: I praise gloriously : ਚੀਕੀਸ

Chauvisam

: Twenty four

u

अने अन्य पण

Pi

: And all others

केवली : केवलजानीओने (१) Kevali Omniscient lords (1) **:** ऋषभदेव स्वामीने उसभ Usabha : To Rushabhadeva Swāmī मजियं : अजितनाथ स्वामीने Majiyam To Ajitanātha Swāmī : अने ਜ਼ Cha : And वंदे 🖁 वंदन कर्रु छुं। Vande I bow down संभव : संभवनाथ स्वामीने Sambhava To Sambhavanātha Swāmī मभिनंदणं **:** अभिनंदन स्वामीने Mabhinandanam : To Abhinandana Swami : अने ਜ਼ Cha and सुमई : सुमितनाथ स्वामीने Šumaim To Sumatinātha Swāmi : अने ਜ਼ Cha And

पउमप्पहं

Paumappaham

सुपासं

Supāsam

जिणं

Jinam

: पद्मप्रभु स्वामीने

To Padmaprabhu Swāmi

: सुपार्श्वनाथ स्वामीने

To Suparshvanātha Swāmi

: जिनने

Conquerors of passion

ਜ਼

Cha चंदप्पहं

Chandappaham

वंदे Vande

सुविहिं

Suvihim

ਚ

Cha

पुप्फदंतं

Pupfadantam

सीयल

Siyala

सिज्जंस Sijjamsa

वासुपुज्जं

Vāsupūjjam

ਚ

Cha

विमल

Vimala

मणंतं

Manantam

ਚ

Cha

: अने

And

चंद्रप्रभु स्वामीने (२)

To Chandraprabhu Swami (2)

🗜 वंदन करं छं।

I bow down

सुविधिनाथ स्वामीने

To Suvidhinātha Swāmi

अथवा (जेमनुं बीजुं नाम) Or (whose second name is)

पुष्पदंत स्वामी छे तेमने

To Pushpadanta Swami

शीतलनाथ स्वामीने

To Shitalanatha Swami

श्रेयांसनाथ स्वामीने

To Shreyansanatha Swami

वास्पुज्य स्वामीने

To Vāsupūjya Swāmi

अने

And

विमलनाथ स्वामीने

To Vimalanātha Swāmi

अनंतनाथ स्वामीने

To Anantanatha Swami

अने

And

जिणं : जिनने

Jiṇam : Conquerors of passion

धम्मं धर्मनाथ स्वामीने

Dhammam: To Dharmanatha Swami

संति : शांतिनाथ स्वामीने

Santim : To Shāntinātha Swāmī

च : अने Cha : And

वंदामि वंदन करुं छुं। (३)

Vandami : I bow down (3)

कुंथुं ដ कुंथुनाथ स्वामीने

Kunthum : To Kunthunatha Swami

अरं : अरनाथ स्वामीने

Aram : To Aranatha Swami

च : अने **Cha** : And

मिल्लिनाथ स्वामीने

Mallim : To Mallinātha Swāmī

वंदे : वंदन करुं छुं। Vande : I bow down

मुणिसुट्वयं : मुनिसुव्रत स्वामीने

Muṇisuvvayam : To Munisuvrata Swāmī

निम 📑 निमनाथ स्वामीने

Nami : To Naminātha Swāmī

जिणं : जिनने

Jiṇam : Conquerors of passion

: अने ਚ Cha : And वंदामि 🖁 वंदन करुं छुं। Vandāmi I bow down रिट्ठनेमिं 🗜 अरिष्टनेमि (नेमिनाथ) स्वामीने **Ritthanemim** : To Arishtanemi (Neminatha) Swāmi : पार्श्वनाथ स्वामीने पासं Pāsam : To Pārshvanātha Swāmi 🖁 सथा. तेम ज तह Taha : Also वद्धमाणं **:** वर्धमान (महावीर) स्वामीने To Vardhamāna (Mahāvira) Vaddhamānam Swāmī : अने (४) ਚ Cha : And (4) एवं : ए प्रमाणे Evam : In this manner **:** में (माराथी) मए Mae : I have (By me) अभिथुआ : स्तृति करी छे Abhithua : Praised विहुय : रहित Vihuya Those who have cleaned

रय : (कर्मरूप) रज Raya

: The Karma dust

मला Malā

पहीण

Pahina

जर

Jara

मरणा

Maranā चडवीसं

Chauvisam

पि

Pi

जिणवरा

Jinavarā

तित्थयरा

Titthayarā

मे Me

पसीयंतु

Pasiyantu

कित्तिय

Kittiya वंदिय

Vandiya

महिया

Mahiyā

🕻 (कर्मरूप) मेल

The Karma dirt

क्षीण कर्या छे, खपाव्या छे

: (Who have) Destroyed

ः जरा, वृद्धावस्था

: Old age

मृत्यु

: Death

: चौवीस

: Twenty four

🖁 अने अन्य

: And others

: जिनेश्वरो

: Omniscient Jinas

: तीर्थंकरो

Tirthankaras (The Founders

Of Four Tirthas)

🖁 मारा ऊपर

: On me

🗜 प्रसन्न थाओ । (५)

: Be pleased (5)

: कीर्ति करी (वचने करी)

: I praise (verbally)

🖁 वंदना करी (कायाए करी)

: Bow Down (Physically)

: पूजा करी (मने करी)

Worship (Mentally)

जे जे Je Who Ų आ E Are लोगस्स लोक्सां Logassa In the Universe उत्तमा उत्तम, प्रधान Uttamā The best सिद्धा सिद्ध थयेल छे ते सिद्ध भगवान Siddhā Liberated Souls आरुगग आरोग्य (कर्मरूपी रोग रहित) Arugga health (free from the disease of Karma) (may deliver my spiritual soul free) बोहिलाभं : समक्ति बोधनो लाभ Bohilābham The benefit of clear and true faith समाहिवर 🗜 प्रधान समाधि Samāhiyara Deep meditation मृत्तमं 🗜 उत्तम, श्रेष्ठ, सर्वोत्तम Muttamam Supreme position (of the Liberated souls) (मने) आपो। (६) Dintu May they grant me (6) **चंद्रथी** पण Chandesu More than the moon

निम्मलयरा : वधारे निर्मल (छो) Nimmalayarā : You are holy, pure आईच्वेसु : सूर्यथी पण

Aichchesu : Than the Sun

अहियं : अधिक Ahiyam : More

पयासयरा : प्रकाश करनारा (छो)

Payāsayarā : You are the enlightener

सागरवर : मोटा समुद्रनी समान Sāgaravara : Like the Ocean

गंभीरा : गंभीर (छो)।

Gambhīrā : You are profoundly calm

सिद्धा : एवा हे सिद्ध भगवंतो Siddhā : Oh Lord Siddhas

सिद्धि : सिद्धि, मोक्ष, परमपद

Siddhim : Liberation, Emancipation

मम : मने

Mama : Upon me

दिसंतु : आपो, बक्षो। (७)

Disantu : Bestow (7)

The meaning & explanation of the FIFTH LESSON

SUMMARY: In this lesson Kevali Bhagawana — Jineshawara Arihanta and names of the 24 Tirthankara are mentioned. May their blessings be always bestowed on us. With the best health, knowledge and desire of a 'Samadhi', pure intentions are expressed through a hymn.

करेमि भंते सूत्र KAREMI BHANTÉ SÜTRA

(The procedure to adopt the vow of samayika)

दव्य थकी 🗜 वस्तु ए जे Dravya thaki

: Materially

: पाप तेना सावज्ज Sāvaija Sinful

जोग : योगने

Joga Activities

सेववाना : करवानी

From doing Sevavānā

🖁 बंधी कर्ं छं पच्चक्खाण

Pachchakkhāna (I) forbid myself

क्षेत्र : क्षेत्र

Kshetra The field (space)

थकी : थी Thaki Bv

आखा लोक सर्व चौद लोक

Ākhā Loka The entire universe (fourteen Raja)

: प्रमाणे प्रमाणे **Pramāne** By

काल थकी : समयथी

Kāla Thakī By the time duration बे घडी सुधी

ते उपरांत

Be Ghadi Sudhi

🗜 बे घड़ी (अडतालीस मिनीट) सुधी

Upto two Ghaqis (forty-eight minutes)

: ते उपरांत

Te Uparanta : And above that

न पाळुं त्यां सुधी 💢 🗜 पुरुं न करुं त्यां सुधी

Na pāluń tyāń sudhi : Till I complete it

भाव थकी 🚆 📑 मारा शुद्ध भावथी

Bhāva Thakī : By perceptive views

छ कोटीए 🔀 🚼 छ भांगाए

Chha Kotiye : Six Limitations

पच्चक्खाण ដ बंधी करुं छुं

Pachchakkhāṇa : I forbid myself

करेमि : करुं छुं Karemi : I perform

भंते : हे पूच्य!

Bhante : Oh respected Lords!

सामाइयं : समता रूपी सामायिक

Sāmāiyam : The Sāmāyika (the balanced attitude)

सावञ्जं : पापकारी Sāvajjam : Sinful

जोगं : योग (प्रवृत्ति) ने Jogam : Activities

पच्चक्खामि : त्यजुं छुं, निषेध करुं छुं

Pachchakkhāmi : Give up by vow

जाव

Jāva

नियम

Niyama

पञ्जुवासामि

Pajjuvāsāmi

दुविहं

Duviham

तिविहेणं

Tiviheņam

न करेमि

Na Karemi

न कारवेमि

Na Kāravemi

मणसा

Maņasā

वयसा

Vayasā

कायसा

Kāyasā

तस्स

Tassa

भंते

Bhante

पडिक्कमामि

Padikkamāmi

: ज्यां सुधी

: Until

: नियमनुं

: My vow lasts

🗜 पालन करुं, भिवत करुं त्यां सुधी

: I worship you (Oh! Lords)

: बेकरण

: With two fold activities

🗜 त्रण योगथी

: Three fold yogas

🗜 हुं नहि करुं

: I will not do

🗜 बीजा पासे नहि करावुं

: I will not make others do

: मनथी

: By mind

: वचनथी

: By speech

: कायाथी

: By body

🗜 तेने (पाप व्यापारने)

: From all these (sins)

🗜 हे पूज्य! हे भगवान!

: Oh! respected Lords

🗜 प्रतिक्रमुं छुं, निवर्तुं छुं

: I restrain myself

निंदामि : (आत्म साक्षीथी) निंदा करुं छुं Nindāmi : (With the attestation of

: (With the attestation of my soul) I hate the sins

गरिहामि । गुरु साक्षीथी धिक्कारुं छुं, निंदा करं छं

: I reprove the sins with the perception of my

Dharma-Guru

अप्पाणं : मारा आत्माने

Appāṇam : My soul

Garihāmi

वोसिरामि : (पाप व्यापारथी) त्याग करुं छुं, दर राखं छं

Vosirāmi: I vow to free (from sins)

The meaning & explanation of the SIXTH LESSON

SUMMARY: The procedure of accepting the vow of samāyika and its duration is explained in this lesson. One sāmāyika is of 2 ghaḍis — fourty-eight minutes. In this way we should take the permission of Dharma-Guru if present or the permission of Shrī Sīmandhara Swāmī (staying in the Pancha Mahāvideha Kṣhetra) in the absence of Dharma-Guru, for the duration of Sāmāyika. The behaviour during Sāmāyika is explained.

During sāmāyika we exclude ourselves mentally, verbally & physically from all the sins by not doing them ourself and by not asking others to do them. We should remain in the undisturbed peace of religious meditation and try to free our souls from sins.

नमोत्थुणं सूत्र NAMOTTHUNAM SÜTRA

(Expressing Respect to the Virtuous)

जमणु ढींचण धरती पर स्थापी, डाबुं ढींचण ऊभुं राखी, बे हाथ जोड़ी, मस्तके अंजलि अडाडी, त्रण नमोत्थुणं बोलवा

Keeping the right knee on the ground and the left knee in an upright position, folding the two hands and keeping them folded near the head, We should recite the three Namotthunams.

पहेलुं नमोत्थुणं

First Namotthunam

पहेलुं नमोत्थुणं श्री अनंता सिद्ध भगवंत ने करुं छुं.

I recite the First namotthunam to the infinite (endless in number) Lord Siddhas.

नमोत्थुणं

🗜 नमस्कार होजो

Namotthuṇaṁ

: Let my respect be to

अरिहंताणं

🖁 अरिहंतने

Arihantanam

: Lord Arihantas

भगवंताणं

। भगवंतोने (जेमणे भवना अंत

कर्या छे)

Bhagavantānam

: Gods (the destroyer of birth-cycle)

आइगराणं

: धर्मनी आदि करनारने

Āigarāṇam

: The first promoters of

religion

तित्थयराणं चार धर्मतीर्थनी स्थापना करनार (साध-साध्वी, श्रावक-श्राविका)

Titthayaraṇam: The founders of four tirthas (Sādhus-Sādhvīs.

Shrāvaka-Shrāvikā)

सयंसंबुद्धाणं : पोतानी जाते बोध पामेला

Sayam- : the self enlightened ones

Saṁbuddhāṇaṁ

पुरिसुत्तमाणं _ : पुरुषोमां उत्तम

Purisuttamaṇam : Supreme among all

: human beings

पुरिस-सिहाणं : पुरुषोमां सिंह समान

Purisa-Sihāṇaṁ : Like a lion among human beings

पुरिस-वर : पुरुषोमां श्रेष्ठ

Purisa-Vara : Best among human beings

पुंडरियाणं । श्वेत पुंडरीक कमल समान

Puṅḍariyāṇam : Like a white Puṅdarika Lotus

पुरिस-वर : पुरुषोमां श्रेष्ठ (उत्तम)

Purisa-Vara : Best among human beings

गंध्र हत्थीणं : गंध्र हस्ती (हाथी) समान

Gandhahatthinam : Like the best (Gandhahasti)

elephant

लोगुत्तमाणं : लोकमां उत्तम

Loguttamaṇam : Top most in the universe

लोगनाहाणं : लोकना नाथ

Loganāhānam: Masters of the universe

लोग-हियाणं Loga-Hiyanam

लोग-पईवाणं Loga-Paivaṇaṁ लोग-पञ्जोयगराणं Loga-Pajjoyagarāṇaṁ

अभय दयाणं Abhaya Dayāṇaṁ चक्ख दयाणं

Chakkhu Dayanam

मग्ग द्याणं Magga Dayāṇaṁ

सरण द्याणं Saraṇa Dayāṇaṁ जीव द्याणं Jiva Dayaṇam

बोहि दयाणं Bohi Dayanam

भम्म दयाणं Dhamma Dayaṇam 🗜 लोकना (सर्व जीवना) हितकारी

 Beneficient to all lives in the universe

: लोकमां दीपक समान

: Like a lamp in the universe

🗜 लोकमां सूर्यनी जेम प्रकाश करनार

: Like the sun-enlightening the universe

: अभय आपनार

: Donors of security

🗜 ज्ञानरूपी चक्षु आपनार

Bestowers of vision (in the form of knowledge)

धर्म मार्गना दाता

 Demonstrators of the religious path

🗜 शरण आपनार

: Donors of shelter

: जीवनना देनार

: Donors of restraint life

: समक्ति रूप बोधना देनार

: Preachers of right faith (Samekita)

🗜 धर्मना दाता

: Bestowers of religion

धम्म देसयाणं धर्मना उपदेशक Dhamma : Preachers of religion

Desayāṇaṁ

धम्म नायगाणं धर्मना नायक

Dhamma : Leaders of religion

Nāyagāņam

धम्म सारहीणं धर्मरूप रथना सारथि

Dhamma Sārahinam : Charioters of religion

धम्म-वर : धर्मने विषे प्रधान

Dhamma-Vara : Prime in religion

चाउरंत : चार गतिनो अंत करवा माटे

Chāuranta : Ends the souls

transmigration from four

birth-cycles

चक्क-वटटीणं : चक्रवर्ती समान

Chakka-Vattinam : Like a Chakravarti

दीवो : संसार समुद्रमां डुबता जीवने पेढे

_ आधारभूत

Divo : Like a lamp (support for the

souls sinking in the ocean of

life)

ताणं : प्राण रूप, रक्षण करनार

Taṇam : Protection incarnate (removers of grief)

सरण : (चार गतिओमां पडतां जीवने)

श्रारण रूप Sarana : Saviors गई Gai

पइट्ठाणं

Paitthanam

अप्पडिहय Appadihaya

वर Vara

नाण Nana

दंसण

Dansana

धराणं

Dharāṇaṁ वियटट छउमाणं

اططود ھی Vivatta

Chhaumānam

जिणाणं Jiṇāṇaṁ

जावयाणं

Jāvayāṇaṁ

तिन्नाणं

Tinnāṇaṁ

: गतिरूप

: In the four birth cycles

 संसाररूपी कूवामां पडता जीवोने आधारभृत

 Support for the souls sinking in the well of life

🗜 हण्या हणाय नहीं एवा अप्रतिहत

 Who cannot be killed or obstructed

: श्रेष्ठ

: Best

: ज्ञान

: Knowledge

दर्शनना : Vision

धारण करनार

: Bearers of

🗜 मोहना आवरण रहित

: Free of attraction

। राग द्वेषने जेमणे जीत्या छे

: Victors of likes and dislikes

: अन्यने राग-द्वेषनो विजय करावनार

: Helping others to win likes and dislikes

🗜 भवरूपी समुद्र तरीने पार पामनार

: Who have swimmed over the ocean of life

तारयाणं 🕻 (भवरूपी समुद्रथी) बीजाने तारनार : Helping others to swim Tārayāṇaṁ : स्वयं खोध पामेल बुद्धाणं Buddhanam : Self-enlightened बोहियाणं : बीजाने बोध देनारा **Bohiyānam** : Inspirers of enlightened faith मृत्ताणं 🖁 स्वयं (कर्मथी) मुक्त Muttanam : Self-liberated (from karma) मोयगाणं 🖁 अन्यने (आठ कर्मथी) मुक्त करनारा Moyagāņam : Liberators of others (from eight karma) सळ्वन्गुणं : सर्वज : Omniscient lord Savvannunam सव्वदरिसीणं : सर्वदर्शी Savvadarisinam : With prevading vision सिव : उपद्रव रहित Siva : Free from calamity 🗜 निश्चल, स्थिर, अचल मयल Unshakable (firm like a Mayala mountain)

मरुय

Maruya

मणंत

Maṇanta

मक्खय Makkhaya ः रोग रहित : Free from disease

: अंत रहित

Endless, infinite (conquerors of life-cycle)

🖁 क्षय रहित, अक्षय

: Undestructable

मळाबाह

Mayvābāha

: बाधा रहित. पीडा रहित

: Unmolested (conquerors of

pain)

मपुणरावित्ति 🗜 पुनरागमनथी रहित (एवा)

Mapunarāvitti Where there is no return

(to sansara)

सिद्धि गई : सिद्धि गति

Siddhi Gai Position of liberation

(Moksha)

नामधेयं

Nāmadheyam

ठाणं

Thanam संपत्ताणं

Sampattanam

नमो जिणाणं

Namo Jinānam

जिय भ्रयाणं

Jiya Bhayanam

: नामना

Immortal name

: स्थानने

: And place

पाप्त करनारा

Who have achieved नमस्कार होजो जिनेश्वर देवने

I how down to Lord

Jineshwara

🗜 (सात) भयना जितनारने

: Conqueror of seven fears

बीजं नमोत्थुणं

Second Namotthunam

बीज़ं नमोत्थुणं जे वर्तमान काले पंच महाविदेह क्षेत्रमां तीर्थंकर देव बिराजे छे, तैमने करं छं.

I recite the second Namotthunam to the Tirthankara Lords who, in the present time, are residing in the five Mahāvideha Kshetra (Area)

नोंध : हवे अहीं पहेला नमोत्युणंनी जेम ''नमोत्युणं'' थी ''सिद्धि गई

नामधेयं'' सुधीना शब्दों बोलवा पछी नीचें मुजब बोलवुं,

Note: Now, repeat the first Namotthunam from the words "Namotthunam" upto "Siddhi gai

nāmdheyam" and then recite the following.

ठाणं : स्थान ने Thanam : Place

संपाविउकामाणं : प्राप्त करवाना (अभिलाषी) छो

Sampāviukāmānam : Desirous of obtaining

liberation

त्रीजुं नमोत्थुणं

Third Namotthunam

त्रीजुं नमोत्थुणं मारा धर्म-गुरु, धर्माचार्यने करुं छुं.

Third namotthuṇam I pay respect to my religious Guru, religious Āchārya.

मम : मारा

Mama : Mine

धम्म : धर्म

Dhamma : Religious

गुरु : गुरु

Guru : Guru, Teacher

धम्म : धर्म

Dhamma : Religious

आयरियस्स : आचार्य

Ayariyassa: Teacher

धम्म धर्म

Dhamma : Religious

उवदेसगस्स : उपदेशकने

Uvadesagassa : Preacher

वंदामिणं वंदन करुं छुं

Vandaminam : I bow down

भगवंत : भगवान Bhagavanta : Lord

तत्थगए : ते काळनां

Tathagaye : At That Time

इहगए : आ काळनां

Ehagaye : At This Time

तिकट्ट् 🕻 त्रण वार

Tikattu : Three Times

वंदामि : वंदन करुं छुं Vandāmi : I bow down

The meaning & explanation of the SEVENTH LESSON

SUMMARY: In this lesson praising is done to Lord Arihanta, Lord Siddha and our spiritual teacher. They are praised by addressing them by various names by which we can create internal qualities.

Don't Kill Animals for Vanity

सामायिक पारवानुं सूत्र PROCEDURE TO COMPLETE THE SĀMĀYIKA

द्रव्य थकी सावज्ज जोग सेववाना पच्चक्खाण I forbid myself from doing materially sinful activities क्षेत्र थकी आखा लोक प्रमाणे

काल थकी बे घडी उपरांत न पाळुं त्यां सुधी

By the time duration upto two ghadis (forty eight minutes) and above that till I complete it.

By the field (space) the entire universe

भाव थकी छ कोटीए पच्चक्खाण पूरा थया ते पाळुं छुं I forbid myself by perceptive views of six limitations — the time duration is over, I complete the sāmāyika

एयस्स : आ

Evassa: This

नवमस्म : नवमा

Navamassa : Ninth

सामाइय : सामायिक Sāmāiya : Sāmāyika

वयस्स : व्रतना

Vayassa : Vow

पंच : पांच

Pancha : Five

अइयारा Aiyārā जाणियव्वा

Jāņiyavvā

न समायरियव्वा

Na Samāyariyavvā

तं जहा

Tan Jahā

ते आलोउं Te Āloun

मण द्प्पणिहाणे

Maṇa Duppaṇihāṇe

वय दुप्पणिहाणे

Vaya Duppaṇihāṇe

काय दुप्पणिहाणे

Kāya Duppaṇihāṇe

सामाइयस्स

Sāmāiyassa

सई अकरणयाए

Saī Akaraņayāe

सामाइयस्स्

Sāmāiyassa

अणवद्ठियस्स

Anavatthiyassa

: अतिचार

: Faults

: जाणि लेवा

: To be known

🗜 न आदरवा योग्य

Not to be put into practice

: ते जेम छे

: They are

🗜 तेम कहुं छुं

: I am telling them

 मन माठुं प्रवर्ताव्युं होय (सावद्य विचार)

Mistaken or faulty thoughts

वचन माठुं प्रवर्ताव्युं होय
 (सावद्य भाषा)

: faulty speech

: काया माठी रीते प्रवर्तावी होय

(सावद्य क्रिया)

: Faulty body activity

: सामायिक

: Sāmāyika

🗜 स्मृति न राखी होय

: Forgotten

: सामायिक

: Sāmāyika

: अव्यवस्थित

: Improper way

करणयाए

Karanayāe

तस्स

tassa

मिच्छा Michchhā

मि

ivii raac á

दुक्कडं Dukkadam

सामाइयं

Sāmāiyam

सम्मं

Sammam

काएणं

Kāeņam न फासियं

ન फા!સથ **Na Fāsiyaṁ**

न पालियं

Na Pāliyam

न तीरियं

Na Tiriyam न किट्टियं

Na Kittiyam

न सोहियं

Na Sohiyam

🖁 कर्युं होय

Done

🗜 ते संबंधी

: With regards to that

मिथ्या थाओ, निष्फळ थाओ

: May be fruitless

: मारुं

: My

🖁 दुष्कृत्य, पाप

: Sin

: सामायिकने

: During the vow of Samayika

ः सम्यक् रूपमां, सारी रीते

: Nicely, with the right faith

🗜 शरीरथी

: With my body

🗜 स्पर्श न कर्युं होय

: Not touched : न पाल्युं होय

: Not behaved

🖁 न पूर्ण कर्युं होय

: Not completed

🗜 न कीर्तन कर्युं होय

: Not praised

🖁 न शुद्ध कर्युं होय

Not purified

न आराहियं : न आराधना करी होय Na Ārāhiyam : Not worshipped

आणाए : वीतराग देवनी आज्ञानुसार

Anāe : According to the principles of the Aribantas

अणुपालियं : अनुपालन

Anupaliyam : Observance

न : न

Na : Not

भवई : कर्यं होय

Bhavai : Done तस्स : ते संबंधी

Tassa : In that regards

मिच्छा ដ मिथ्या थाओ, निष्फळ थाओ

Michchha : Fruitless, forgiven

मि **:** मारुं **M**i : My

दुक्कडं : पाप (दुष्कृत)

Dukkaḍam : Sins

सामायिकमां : सामायिकमां

Sāmāyikamān : During Sāmāyika

दस मनना दोष लाग्या होय

Dasa Manana : Ten faults of mind

दस वचनना : दस प्रकारे वचनना दोष लाग्या होय

Dasa Vachanana : Ten faults of speech

बार कायाना

Bāra Kāyānā

ए बत्रीस

E Batrisa

दोषमांथी

Doshamanthi

कोर्ड दोष

Koi Dosha

लाग्यो होय तो

Lāgyo Hoya To

तस्स मिच्छामि दुक्कडं

Tassa Michchhāmi

Dukkadam

मामायिकमां

Sāmāyikamān

स्त्री कथा

Strī Kathā

भत्त कथा

Bhatta Kathā

देश कथा

Desha Kathā

राज कथा

Rāja Kathā

ए चार

E Chăra

विकथा

Vikathā

🗜 बार प्रकारना कायाना दोष लाग्या होय

: Twelve faults of body

🗜 एवा बत्रीस

: Of these thirty two

: दोषमांथी

: Faults

: जे कोई दोष

: Whatever faults

🖁 सेवन थयं होय तो

I may have committed

🖁 ते संबंधी मारं पाप निष्फळ थाओ

That sin of mine be forgiven

: सामायिकमां

: During Samavika

🗜 स्त्री आदि संबंधी कथा, वार्ता

: Talks about women

🕯 भोजन, पाणी संबंधी वार्ता

: Talks about food

🗜 देश, गाम संबंधी कथा, वार्ता

: Talks about country

: राजकारभार संबंधी कथा

Talks about politics

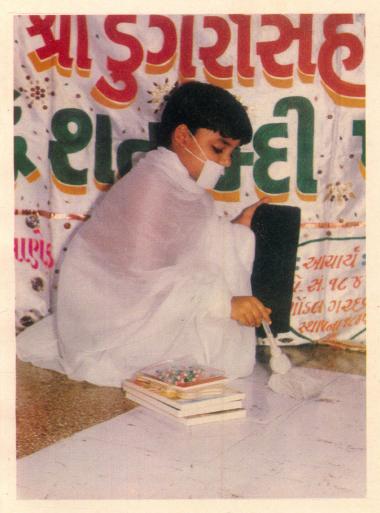
🗜 ए चार

Of these four

न करवा जेवी वातचीतो

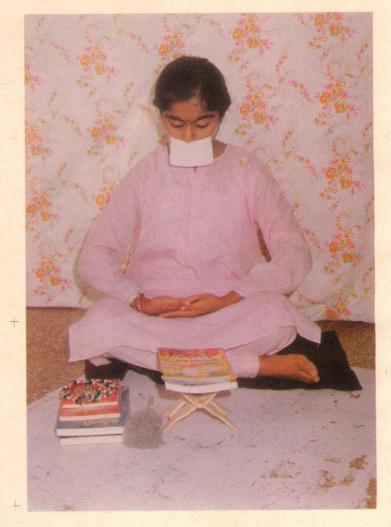
: Useless gossips

Pratilekhana



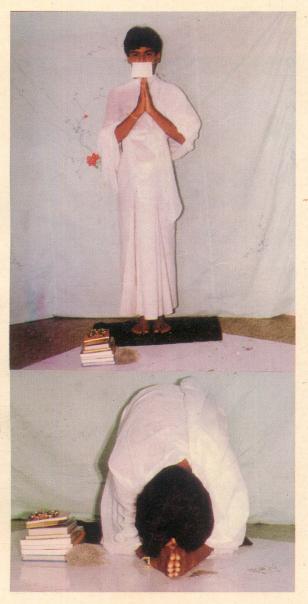
Parinkumar Kirtibhai Shah

Kaussagga



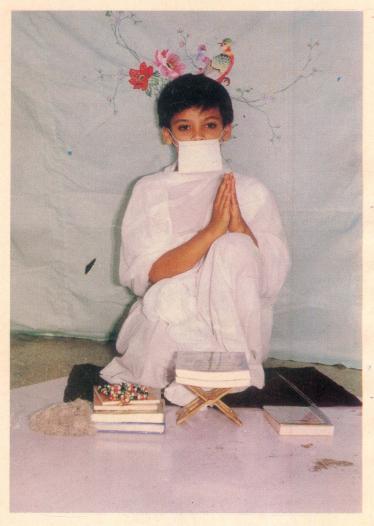
Jahanavikumari Chandrakantbhai Sheth

Vandana



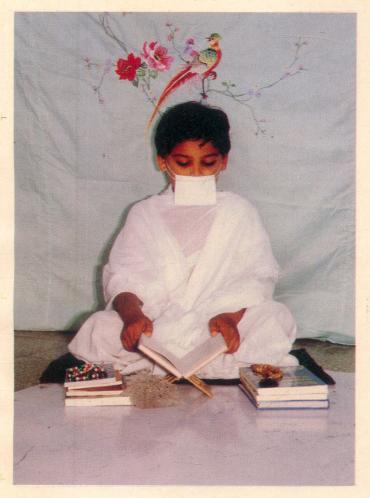
Hardikkumar Chandrakantbhai Shah

Namotthunam



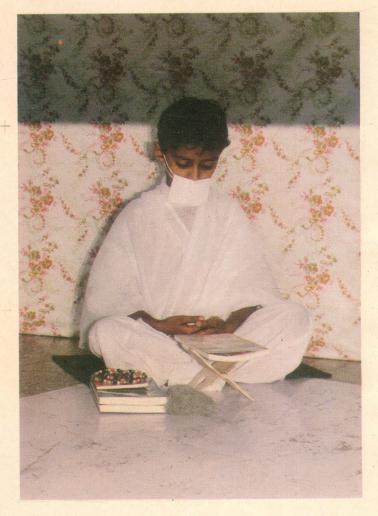
Devangkumar Jitendrabhai Desai

Swadhyaya



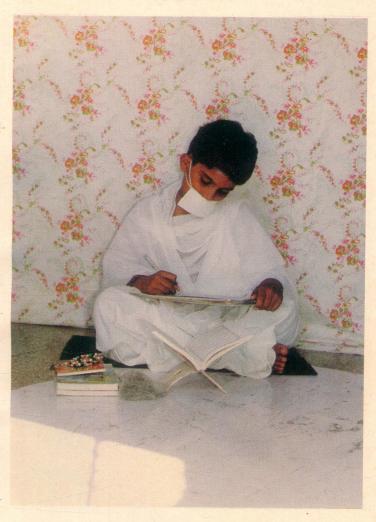
Paraskumar Jitendrabhai Desai

Meditation



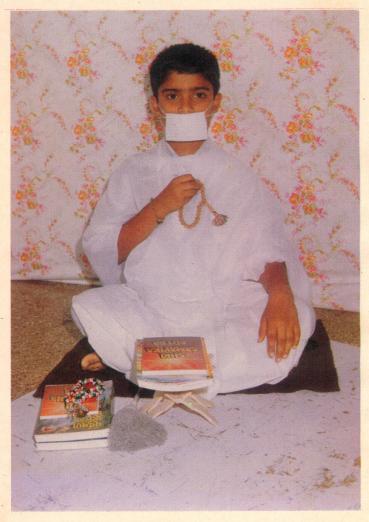
Jaykumar Ashwinbhai Kumbhani

Sulekhana



Vishalkumar Vinodrai Shah

Rosary



Rishabhkumar Chandrakant Sheth

मांहेली Māṅhēlī

कोई विकथा Koi Vikathā

Koi Vikati

करी होय तो Karī Hoya To

तस्स मिच्छामि दुक्कडं

Tassa Michchhāmi Dukkadam

सामायिकमां

Sāmāyikamān

आहार संज्ञा

Ahara Sangya

भय संज्ञा

Bhaya Sangyā

मैथुन संज्ञा

Maithuna Sangyā

परिग्रह संज्ञा

Parigraha Sangyā

ए चार संज्ञा

E Chāra Saṅgyā

मांहेली कोई संज्ञा

Māṅheli Koi Saṅgyā

करी होय तो

kari Hoya To

: मांथी

: From, out of

: कोई नकामी वार्ता

: Any useless talks

: करी होय तो

: I may have done

🗜 ते संबंधी मारं पाप निष्फळ थाओ

 That sin of mine may be forgive

: सामायिकमां

: During Samayika

: खावानी ईच्छा करी होय

: Instinct of eating

🗜 डर लाग्यो होय

: Instinct of fear

🗜 अब्रह्मचर्य सेववानी ईच्छा करी होय

: Instinct of sex

: लोभ, मायानी ईच्छा करी होय

: Instinct of possessiveness

🗜 ए चार संज्ञा

: Of these four instincts

। मांथी कोई संज्ञा

: If any instinct from, out of

: करी होय

: I may have done

तस्स मिच्छामि दुक्कडं Tassa Michchhāmi Dukkaḍam सामायिकमां

Sāmāyikamān

अतिक्रम

Atikrama

व्यतिक्रम

Vyatikrama

अतिचार Atichāra

अनाचार

Anāchāra

जाणतां-अजाणतां
Jāṇatān-Ajāṇatān
मन-वचन-कायाए करी
Mana-VachanaKāyāe Kari
कोई दोष लाग्यो होय तो
Koi Dosha Lāgyo
Hoya To
तस्स मिच्छामि दुक्कडं

Tassa Michchhāmi

Dukkadam

🗜 ते संबंधी मारुं पाप निष्फळ थाओ

That sin of mine may be forgiven

: सामायिकमां

: During Samayika

🗜 पाप करवानुं मन थ्रयुं होय

: Mental fault of transgressing

🗜 पापनुं काम करवा तैयार थयो होऊं

 Become ready for transgressing

🗜 पाप करवा पगलुं भर्युं होय

: Resorting to faulty action

 व्रतनो भंग करी पापनुं सेवन कर्युं होय

 Have violated the vow by acting faulty

🗜 जाणी जोईने-अजाणपणे

Knowingly-unknowingly

🗜 मन, वचन अने कायाथी करी

: Mentally, verbally and bodily

: कोई दोष लाग्यो होय

: If I have done anything wrong

🗜 ते संबंधी मारा पाप निष्फळ थाओ

Those sins of mine may be forgiven

सामायिक व्रत

Sāmāyika Vrata

विधिओ लीधुं

Vidhie Lidhun

विधिओ पाळयुं

Vidhie Pālyun

विधिओ करतां

Vidhie Karatān अविधिओ थयुं होय तो

Avidhie Thayun Hoya To

तस्स मिच्छामि दुक्कडं Tassa Michchhāmi

Dukkaḍaṁ

सामायिकमां Sāmāvikamān

कानो

Kāno

मात्रा

Mātrā

मींडी

Mindi

पद Pada : सामायिक

: The vow of Samayika

🗜 नियमथी लीधु

: Taken in proper manner

🗜 नियमथी पाळयुं

: Completed properly

: नियमथी करतां

: While doing it properly

🖁 अविधिए थयुं होय तो

: If it is done in improper manner

🗜 ते संबंधी मारा पाप निष्फळ थाओ

: Those sins of mine be forgiven

: सामायिकमां

: In Sāmāyika

: कानो (आ)

: Kāno (in respect of the sign of आ = A)

: मात्रा (ए)

 Mātrā (in respect of the sign of τ = E)

🖁 मींडी (अं)

: Mindi (in respect of the sign of nasal)

: शब्द

: Word

अक्षर

Akshara

गाथा

Gāthā : Stanza

सूत्र

Sutra : Slogan

ह्रस्व

Hrasva : Short of vowel

: अक्षर

: Letter

गाथा

सूत्र

: हस्व

दीर्घ : दीर्घ

Dirgha : Long of vowel

ओछुं : ओछुं Ochhun : Less

अधिक Adhika : More, excess

विपरित : बराबर नहीं

Viparita: Not properlyभणायुं होय तो: भणायुं होय तो

Bhanayun Hoya To : Read or uttered

अरिहंत : अरिहंत

Arihanta : Lord Arihanta

अनंता सिद्ध : अनंता सिद्ध

Ananta Siddha : Infinite Siddhas

केवली : केवली Kevali : Kevali

गुरु भगवंतनी । गुरु भगवंतनी

Guru Bhagavantani : Of Bhagvantas

साक्षीए Säkshie

Dukkadam

: साक्षीए

: In presence of

तस्स मिच्छामि दुवकडं । ते संबंधी मारा पाप निष्फळ थाओ

Tassa Michchhami : In respect of that my sins be

forgiven

The meaning & explanation of the **EIGHTH LESSON**

SUMMARY: In this lesson the procedure to complete has been explained. samavika the Samayika knowingly or unknowingly mentally, verbally, physically. If we have made mistakes, sinned the detail procedure to beg forgiveness has also been explained. By completing the samayika in time with proper procedure, sins can become less. So we should also recite this lesson on completion.

Who is Student?

S – Simplicity

— सरलता. सादाई

T - Thought

— विचार

U- Usefulness

— उपयोगी

D – Determination

— संकल्प, इरादा

F - Fnthusiasm

— उमंग, उत्साह

N – Enthusiasm

— उदारता, कुलीनता

T Nobility, Tolerance — सहनशीलता, सहिष्ण्ता

आवश्यक नियम – पूर्व भूमिका ĀVASHYAKA NIYAMA — PŪRVA BHŪMIKĀ)

(Important Rules — Preface)

- सर्वप्रथम थई शके तो स्थानक अथवा शांत अने एकांत स्थान पसंद करवं.
- First of all if possible select 'sth\u00e1naka' or a quiet and lonely place.
- २. गृहस्थोचित्त कूरतुं, लेंघों, खमीस, पेन्ट आदि वस्त्रोने उतारी नांखवा
- Kurta Payajama, (Lengha), Shirt, Pent and other clothes that are worn in the house should be removed.
- पहेला सफेद धोतीयुं पहेरवुं, सफेद वस्त्रथी शरीर ढांकवुं.
 स्त्रीओए सादा वस्त्र पहेरवा.
- First of all wear a white dhoti, cover the top of the body with a white cloth. Ladies should wear simple clothes.
- ४. सुतराउ अथवा गरम आसन, सफेद वस्त्रनी आठ पडनी मुंहपत्ती दोरानी साथे, गुच्छो (परिमार्जनी), माळा, धार्मिक पुस्तको.
- 4. Cotton or wool seat, 8 layered 'muhapatti' with thread made of white cloth, 'guchchho', 'rosary', religious books.

- ५. भूमिने गुच्छा (परिमार्जनी) थी साफ करी आसन पाथरी बेसवुं.
- 5. Clean the place with the 'guchchho' and then spread the seat (āsana) and sit on it.
- ६. मोढा उपर मुहपत्ती लगाववी.
- 6. Tie the 'muhapatti' on the mouth.
- णुच्छो (परिमार्जनी) राखवो आवश्यक छे. सामायिक लेवाना समये अने सामायिकमां नाना जीव जंतु जेमके कीडी, मच्छर आदिने बचाववा.
- It is necessary to keep the 'guchchho'. while taking sāmāyika and during the period of sāmāyika, to save small lives and insects like ants, mosquitoes etc.

अंडे अन्तड़ियों के कीटाणुओं को ज़हरीला बनाते हैं अधिक अंडे पैदा करने की योजना भयंकर है (Intensive Egg-laying is Dangerous)

"Eggs in many people are a potent factor in rendering the mutation forms of bacillus colli communis pathogenic and this is doubtless due to the egg-laying to which hens are being subjected."

— Dr. J.E.R. McDonagh, F.R.C.S. (England)

अंडे बहुत सारे मुनष्यों की अन्तड़ियों में पाये जाने वाले 'कामन व कीलाई' कीटाणुओं को जहरीला बना देते हैं जिनसे भयानक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। यह निश्चयपूर्वक कहा जा सकता है कि यह अधिक अंडे प्राप्त करने की योजनाओं का फल है।

— डा. जे.ई.आर. मैक्डोनाग, एफ.आर.सी.एस. (इंग्लैंड)

सामायिक व्रतनो समय केवी रीते पसार करशो? What to do during the period of Sāmāyika?

सामायिक व्रत आत्म दर्शननी एक विशिष्ट साधना छे.

Sāmāyika is a (special) specific discipline for the 'darshana' (understanding) of the soul.

माटे.पूर्ण विवेकथी साधना करवी.

Hence should be done with total modesty.

सामायिकनो समय धार्मिक पाठोने याद करवामां,

The period of samayika should be spent in remembering religious lessons,

गुरुदेवनुं प्रवचन, कथा सांभळवामां, धार्मिक पुस्तक वांचवामां, Listen to the sermons of Gurudeva, read religious books,

पंचमरमेष्ठी तथा २४ तीर्थंकरोनी माळा करवामां,

Doing 'rosary' of 'Panchaparameshthi' and 24 Tirthankaras.

साधुवंदना, भक्तामरस्तोत्र, अन्य स्तुति स्तवन आदि गावामां, singing the 'Sādhu Vandanā' 'Bhaktāmarastotra' and other hymns of praise,

स्वाध्याय, धर्मचर्चा, आत्मध्यान आदिमां समय पसार करवो जोईए. Regular study of the Religious Books, discussion on religion, meditation of the soul etc.

- सामायिक व्रतनां समयमां ज्ञान आराधना सिवाय, कोईनी साथे संसारनी कोईपण प्रकारनी वातो करवी नहीं.
- During the time of sāmāyika, one should not talk of any worldly matters with anyone, and should talk only of knowledge and worship.
- समभावमां रहेर्चुं. दैनिक पत्र, पत्रिका आदि पण सामायिक व्रतना समये वांचवा नहीं.
- Remain impartial. During the period of sāmāyika do not read the daily newspapers or any leaflets.
- सामायिक व्रत कर्या पछी तेना उपकरणोने विवेकपूर्वक सम्मान साथे योग्य स्थाने राखवा.
- After completing samayika, keep all the things (seat, 'muhapatti' etc.) with modesty and honour in the right place.

VEGETARIAN IS A NATURAL FOOD SYSTEM, FOR BETTER HEALTH

- **★ IT IS NUTRITIONALLY BALANCED**
- **★ SCIENTIFICALLY SOUND**
- **★ HEALTHFUL AND HUMANE**
- **★ ETHICALLY UNASSAILABLE**
- * ECOLOGICALLY SUPREME
- * HAS NATURAL FLAVOUR
- **★ DELICIOUS IN TASTE**

सामायिकमां व्रत केम करशो? HOW TO DO THE SĀMĀYIKA VRATA?

- प्रथम 'नमस्कार सूत्र' श्री 'तस्स उत्तरी सूत्र' सुधी एकथी चार पाठ बोलवा.
- First recite from 'Namaskara Sutra' to 'Tassa Uttari Sutra' — one to four lessons.
- २. पाठनो अंतिम शब्द 'तावकायं' थी 'वोसिरामि' सुधी बोलीने 'इरियावहियं सूत्र' अने 'नमस्कार सूत्र' पाठ त्रीजो अने पहेलानो काउस्सग्ग करवो. (काउस्सग्गमां पाठ त्रीजो अने पहेलो मनमां बोलवानो) पूर्ण थया पर 'नमो अरिहंताणं' उच्चारणथी बोलीने काउस्सग्ग पाळवो.
- 2. After reciting the last word of the lesson from 'Tāvakāyam' to 'Vosirāmi' the third and the first lessons 'Iriyā Vahiyam Sūtra' and 'Namaskāra Sūtra' do 'Kāussagga' (During Kāussagga the third and first lessons should recited in mind). on completion end Kāussagga by reciting 'Namo Arihantānam').
- ३. त्यार पछी 'लोगस्स सूत्र' नो पाठ पांचमो बोलवो.
- 3. After that say the fifth lesson of 'Logassa Sutra'.
- ४. त्यार पछी आपणी समक्ष जो गुरु महाराज हाजर होय तो तेमने, गुरुदेव हाजर न होय तो ईशान खुणामां मुख राखीने श्री सीमंधरस्वामीने 'तिक्खुत्तो' नो पाठ त्रणवार बोलीने सविनय वंदना करी सामायिक व्रतनी आज्ञा लेवी.

- 4. After that if guru mahārāj is present before us then to him otherwise facing north-east to Shree Simandharaswāmi, recite the lesson of 'Tikkhuttō' three times and politely bow down to take permission for sāmāyika.
- ५. आज्ञा लीधा पछी 'सामायिक प्रतिज्ञा सूत्र' नो पाठ छठ्ठो बोलवो. तेमां जेटली सामायिक लेवी होय तेटला मुहूर्त अथवा घडी बोलवी.
- After taking permission recite the sixth lesson 'Sāmāyika Pratignā Sūtra'. In that depending on the number of sāmāyika's to be done say the muhūrtas or ghadīs.
- ६. एक सामायिकनो समय १ मूहूर्त = बे घडी = ४८ मिनिट एवी रीते जेटली सामायिक करवी होय तेने ४८ मिनिटथी गुणा करीने समय समजवो. जेमकेः

बे सामायिक = बे मुहूर्त = चार घडी = ९६ मिनिट त्रण सामायिक = त्रण मुहूर्त = छ घडी = १४४ मिनिट चार सामायिक = चार मुहूर्त = आठ घडी = १९२ मिनिट पांच सामायिक = पांच मुहूर्त = दस घडी = २४० मिनिट

- 6. The time for one samayika 1 muhurta = 2 ghadi = 48 minutes. In that way depending on the number of samayikas to be done multiply that number by 48 minutes to get the time, for eg:
 - 2 sāmāyikas=2 muhūrta= 4 ghadi=96 minutes

3 sāmāyikas=3 muhūrta= 6 ghadī=144 minutes 4 sāmāyikas=4 muhūrta= 8 ghadī=192 minutes 5 sāmāyikas=5 muhūrta= 10 ghadī=240 minutes

- ७. त्यार पछी जमणा गोठणने जमीन उपर राखी डाबा गोठणने उभो करी बे हाथ जोडीने पाठ सातमो 'नमोत्थुणं सूत्र' बोलवो. आ त्रण नमोत्थुणं पाठमां बताव्या प्रमाणे बोलवा. आ रीते सामायिक व्रत तमोए लीधुं.
- 7. After that keeping the right knee on the floor raise the left knee, with folded hands recite the seventh lesson 'Namotthuṇam Sūtra'. These three Namotthuṇams should be recited as described in the lesson. In this manner you have taken the Sāmāyika Vrata.

अंडे मनुष्य के हाजमे के प्रतिकूल हैं (Eggs do not suit Human Digestion)

"Both the bile and pancreatic juice are indifferent to egg white, Nearly 30 to 50 percent of the egg white passes through the digestive tract undigested."

- Prof. Okada (England)

पित्त ओर लबलबा का रस (Pancretic Juice) अंडे की सफेदी के साथ नहीं मिलते हैं। अंडे की सफेदी का 30 से 50 प्रतिशत भाग प्रणाली से बिना हजम हुए ही निकल जाता है।

— प्रो. ओकाड़ा (इंग्लैंड)

सामायिक व्रत केम पाळशो? HOW TO COMPLETE THE SĀMĀYIKA VRATA?

जेटला मुहूर्त अथवा घडीनी सामायिक लीधी होय ते पूर्ण थवा पर नीचेनी विधिथी पाळवानी.

On completion of the muhūrtas or ghadi of the sāmāyika, do as stated below:

- प्रथम 'नमस्कार सूत्र' थी 'तस्स उत्तरी सूत्र'सुधी एकथी चार पाठ बोलवा.
- First recite lesson one to four 'Namaskāra Sūtra' to 'Tassa Uttari Sūtra'.
- २. चोथा पाठनो अंतिम शब्द 'तावकायं' थी 'वोसिरामि' सुधी बोलीने 'इरियावहियं सूत्र' अने 'नमस्कार सूत्र' पाठ त्रीजो अने पहेलानो काउस्सग्ग करवो. (काउस्सग्गमां पाठ त्रीजो अने पहेलो मनमां बोलवो.) पूर्ण थया पछी 'नमो अरिहंताणं' उच्चारणथी बोलीने काउस्सग्ग पाळवो.
- After reciting the last word of the fourth lesson from 'Tāvakāyam' to 'Vosirāmi' form Kāussagga of third and first lessons — 'Iriyāvahiyam Sūtra' and 'Namaskāra Sūtra'. (During Kāussagga recite the third and first lessons mentally). On completion end Kāussagga by saying 'Namo Arihantānam'.
- ३. त्यार पछी **'लोगस्स सूत्र'** नो पाठ बोलवानो.
- 3. After that recite the lesson of 'Logassa Sutra'.

- ४. त्यार बाद **'सामायिक समाप्ति सूत्र'** नो पाठ आठमो बोलवानो.
- 4. After that recite the eighth lesson of 'Sāmāyika Samāpti Sūtra'.
- प्यार बाद जमणा गोठणने जमीन पर राखीने डाबा गोठणने उभो करी बे हाथ जोडीने त्रण वार 'नमोत्थुणं सूत्र' बोलवुं.
- 5. After that keeping the right knee on the floor raise the left knee with folded hands, three times recite 'Namotthunam Sutra'.
- **६**. त्यार बाद **'तिक्खुत्तो'** नो पाठ त्रण वार अने **'नमस्कार सूत्र'** नो पाठ त्रण वार बोलवा. आ प्रमाणे सामायिक व्रत पूर्ण थशे.
- After that recite the lesson of 'Tikkhutto' and 'Namaskāra Sūtra' three times. In this manner Sāmāyika Vrata is completed.

अंडे खाना बेरहमी है (Egg Eating — An Evil Act)

"Natural law cannot be changed from time to time. A good act bears good fruit and evil act bears bad fruit. To that order the destruction of life bearing an evil effect on the doer. Hence do not eat meat and eggs which cause destruction of life.

— Dr. W.J. Jayasureya (Ceylon)

प्रकृति का यह नियम अटल है, जैसा बोओगे वैसा काटोगे। दूसरों को तबाह करके कोई सुखी होना चाहे बिलकुल असम्भव है, बिल्क इसकी तबाही भी यकीनी है। इस कारण अंडे व मांस मत खाओ ये दूसरों की जिन्दिगियों को तबाह करके मिलते हैं।

— डा. डब्ल्यू. जे. जयासूरिया (लंका)

सामायिक व्रतना वर्जित (त्याग करवा योग्य) बत्रीस दोष

The thirty two faults to be avoided during "Sāmāyika Vrata"

मनना दश दोष MANANĀ DASHA DOSHA

(10 faults of the mind)

- अविवेक सामायिक व्रतमां कोई पण कार्यनो योग्य अने अयोग्यनो विवेक न राखीने अविवेक थयेल होय तो दोष.
- Aviveka (Polite) During sāmāyika, if one has not been modest or polite in any work and has been careless and impolite then it is a fault.
- यशः कीर्ति लोक सन्माननी ईच्छा कामनाथी सामायिक व्रतः करेल होय तो दोष.
- Yasha: Kirti (Felicitation) If sāmāyika has been done with the expectation and hopes of (felicitation) public respect then it is a fault.
- लाभार्थ धन आदिना लाभनी कामनाथी सामायिक व्रत करेल होय तो दोष.
- 3. Labhartha (Greed) If samayika has been done with the expectation of getting money then it is a fault.

- अहंकार मारा समान कोण सामायिक करी शके छे एवा गर्वथी सामायिक करेल होय तो दोष.
- Ahankara (Pride) If samayika is done with a proud feeling that no one can do samayika as I do then it is a fault.
- ५. भय लोक निंदा आदिना भयथी सामायिक त्रत करेल होय तो दोष.
- 5. Bhaya (Fear) If sāmāyika is done with the fear of public criticism then it is a fault.
- ६. निदान पुत्र प्राप्ति आदि सांसारिक भौतिक सुखने माटे सामायिक व्रत करेल होय तो दोष.
- Nidan (Selfon) If samayika is done for obtaining a son or for other worldly pleasures then it is a fault.
- फंशय सामायिकनुं फळ मळशे अथवा नहीं एवी शंका राखीने सामायिक व्रत करेल होय तो दोष.
- Sanshaya (Doubt) If samayika is done with the doubt as to whether the (fruits) result of doing samayika will be available or not, then it is a fault.
- रोष सामायिक व्रतमां क्रोध करवो अथवा क्रोधमां आवी सामायिक व्रत करेल होय तो दोष.
- 8. Rosha (Anger) If sāmāyika is done in anger or if one gets angry while doing sāmāyika then it is a fault.

- ९. अविनय सामायिक व्रतमां देव-गुरु-धर्मनी अशातना -अविनय थयेल होय अथवा सामायिकना प्रति आदरभाव न राखेल होय तो दोष.
- Avinaya (Immodest) While doing sāmāyika if lord-guru-religion have been irrespected or hurt or if one hasn't had respect for sāmāyika then it is a fault.
- १०. अबहुमान भिक्तभाव अने उत्साहनी साथे सामायिक न करता कोईना दबावथी 'आवेल संकट' ने समजीने सामायिक व्रत करे तो दोष.
- 10. Abahumana (Respectless) If samayika is not done with religious feeling and excitement but is done under pressure considering it to be a trouble then it is a fault.

अंडों से ऐग्जिमा और लकवा (Eggs cause Eczema and Paralysis)

"The egg white is the most harmful portion of the egg Animals fed on fresh egg white developed a severe skin inflammation and paralysis."

- Dr. Robert Gross (England)

अंडे की सफेदी अंडे का सबसे ज्यादा खतरनाक भाग है। जिन जानवरों को अंडे की सफेदी खिलाई गई उन्हें लकवा मार गया और चमड़ी सूज गई।

— डा. राबर्ट ग्रास (इंग्लैंड)

वचनना दश दोष

VACHANANĀ DASHA DOSHA

(10 faults of (promises) words)

- १. कुवचन सामायिक व्रतमां अशिष्ट कुवचन बोलवाथी दोष.
- Kuvachana (Bad Words) During sāmāyika talking of impolite bad words is a fault.
- २. सहसाकार सामायिक व्रतमां वगर समजे विचारे हानिकर अने असत्य वचन बोलवाथी दोष.
- Sahasākāra (Hurtful Talking) During sāmāyika talking, without any understanding or thinking or telling lies is a fault.
- स्वच्छन्द सामायिक व्रतमां कामवर्धक गंदा गीत गावाथी दोष.
- Swachchhanda (Dirty Singing) Singing of useless dirty songs during sāmāyika is a fault.
- ४. संक्षेप सामायिक व्रत लेता या पाळता समये पाठोंने संक्षिप्तमां बोलवाथी दोष.
- Sankshepa (In Short) While starting or ending sāmāyika if any lesson is said in short, it is a fault.
- ५. कलह सामायिक व्रतमां कलेश-झगडा उत्पन्न थाय तेवा कट वचन बोलवाथी दोष.
- Kalaha (Misunderstanding) During sāmāyika talking of bad words which would create misunderstanding and fights is a fault.

- ६. विकथा सामायिक व्रतमां मनोरंजननी द्रष्टिथी स्त्रीकथा (स्त्री अथवा पुरुष कथा), भत्त (भोजन संबंधी) कथा, देशकथा, राजकथा आदि विकथा करवाथी दोष.
- Vikatha (Bad Stories) During samayika telling stories of man or women, stories about food, stories of country, stories of empire or any other such stories for entertainment is a fault.
- हास्य सामायिक व्रतमां हास्य अने कुतूहलकारी भाषा बोलवाथी दोष.
- Hāsya (Laughter) During sāmāyika talking in a manner which would cause anxiousness or laughter is a fault.
- ८. अशुद्ध सामायिकना पाठोंने अति जल्दी शुद्धिनुं ध्यान राख्या वगर अशुद्ध बोलवाथी दोष.
- Ashuddha (Impure) Reciting the lessons of sāmāyika very fast without taking care of the right pronounciation and the right word is a fault.
- ९. निरपेक्ष सामायिकना पाठोंने उपयोग विना असावधानीपूर्वक बोलवाथी दोष.
- Nirapeksha (Careless) Reciting the lessons of sāmāyika with carelessness is a fault.
- १०. मुम्मुन सामायिकना पाठोंनुं स्पष्ट उच्चारण न करतां अस्पष्ट वांचे अने बोले तो दोष.
- Mummuna (Unclear) Reading and talking of sāmāyika lessons in not a clear way is a fault.

कायाना बार दोष KĀYĀNĀ BĀRA DOSḤA

(12 faults of body)

- कुआसन सामायिक व्रतमां योगसाधनाने अनुकूल योग्य आसननुं ध्यान न राखी पग पर पग चडावी आदि अयोग्य आसनमां बेसवाथी दोष.
- Kuāsana (Wrong Sitting) While doing sāmāyika not taking care and sitting in the right posture as per the meditation but sitting with legs one over the other or any such position is a fault.
- २. चलासन सामायिक व्रतमां वारंवार आसनने बदलता अस्थिर आसन पर बेसवाथी दोष.
- Chalāsana (Unsteady Sitting) During sāmāyika changing the seat often and not sitting steadily is a fault.
- चलद्रष्टि -- सामायिक व्रतमां द्रष्टि (नजर)ने स्थिर न गर्खी आइं-अवळुं जोता रहेवाथी दोष.
- Chaladrashti (Unsteady Sight) During sāmāyika instead of keeping the eyesight fixed if one keeps looking everywhere then it is a fault.
- ४. सावद्यक्रिया सामायिक व्रतमां शरीरथी सावद्य (पापकारी) क्रिया करे. घर, दुकान, ओफिस आदि गृहस्थोचित्त व्यवहारिक, व्यापारिक कार्य करे तो दोष.

- Sāvadhyakriyā (Worldly Work) During sāmāyika if one does bad work or work of the house, store, office etc. or any such social or business work then it is a fault.
- ५. आलंबन सामायिक व्रतमां विना कारण दिवाल आदिनो सहारो लेवाथी दोष.
- Ālambana (Support) During sāmāyika taking support of a wall without any reason is a fault.
- ६. आकुंचन प्रसारण सामायिक व्रतमां विनाकारण हाथ अने पगने संकोचवा अथवा फेलावाथी दोष.
- Ākunchana Prasārana (Short Spread) During sāmāyika shortening and stretching of hands and legs without any reason is a fault.
- आळस सामायिक व्रतमां आळसना कारणे अंग मरोड आदि करवाथी दोष.
- Ālasa (Lazy) During sāmāyika because of laziness moving the body is a fault.
- ८. मोडन सामायिक व्रतमां विना कारण हाथ तथा पगनी आंगळीओ फोडवाथी अथवा अंग मरोडवाथी दोष.
- 8. Modana (Bend) During samayika pressing the (joint) bones of the fingers of hand & feet without any reason or stretching the body is a fault.
- ९. मल सामायिक व्रतमां शरीरनो मेल उतारवाथी दोष.
- Mala (Dirt) During sāmāyika removing dirt from the body is a fault.

- १०. विमासन सामायिक व्रतमां पूंज्या वगर शरीर खंजोळवुं अने रात्रिमां कारण विना पूंज्या वगर हरता-फरता रहेवुं तथा गाल अथवा माथा पर हाथ राखी शोकग्रस्त अवस्थामां बेसवाथी दोष.
- 10. Vimāsana (Doubt) During sāmāyika scratching the body without the 'punjayā' and in the night moving around without any reason and without the 'punjayā' and sitting in a depressed mood with hands on the head & check, is a fault.
- ११. निद्रा सामायिक व्रतमां प्रमाद करवो, निद्रा करवाथी दोष.
- Nidrā (Sleep) During sāmāyika sleeping or lazing around is a fault.
- १२. वैयावच्च सामायिक व्रतमां विना कारण बीजानी पासे हाथ-पग शरीर आदिनी सेवा कराववाथी दोष.
- Vaiyavachcha (Service) During samayika without any reason allowing somebody else to press hands-legs or the body is a fault.

अंडे और मांस ज़िंदगी के लिए खतरनाक होते हैं जीव खाने के लिए नहीं पालने के लिए होते हैं

पंच परमेष्ठीना १०८ गुण

Panch Parmeshthi's 108 Gunas (108 Qualities of Panch Parmeshthi)

अरिहंतना बार गुण ARIHANTA'S 12 GUNAS (12 Qualities of Aribanta's)

- अनंतज्ञान केवलज्ञान द्वारा भगवंत लोक-अलोक ने संपूर्णरूपथी जाणी ले छे.
- Anantagnāna Through Kēvalagnāna the Lord can fully understand the world.
- २. अनंतदर्शन केवलदर्शन द्वारा भगवंत लोक-अलोक ने संपूर्ण रूपे जोई शके छे.
- Anantadarshana Through Kevaldarshana the Lord can fully see the world.
- ३. अनंत चारित्र्य केवलदर्शननी प्राप्तिथी अनंत चारित्र प्रगट थाय छे
- Ananta Charitrya After gaining Kevaladarshana infinite character is attained.
- ४. अनंतवीर्य अंतराय कर्मनो क्षय थवाथी अनंतबलनी प्राप्ति थाय छे.
- Anantavirya After the destruction of the obstacle karmas infinite strength is obtained.

- ५. अशोकवृक्ष ज्यां ज्यां अरिहंत भगवान देशनाने माटे समवसरणमां बिराजे छे, त्यां भगवंतना शरीरथी देवताओ बार गणा ऊँचा अशोक वृक्षनी रचना करे छे. तेनी नीचे बेसीने भगवंत देशना आपे छे.
- Ashōkavraksha Wherever Lord Arihanta is seated in the Samavasarana for preaching, there the Gods create the Ashoka tree 12 times taller then the Lords body. The Lord sits underneath it and preaches.
- ६. पुष्पवृष्टि भगवंतना समवसरणमां पांच वर्णना पुष्पोनी देवता
 विष्टि करे छे.
- Puṣḥpavriṣḥti The Gods make a shower of five types of flowers in the Samavasaraṇa.
- ५. दिव्यध्विन ज्यारे भगवंत देशना आपे छे त्यारे देवता भगवंतना स्वरने पोतानी ध्विन द्वारा अखंड-पूर्ण करे छे.
- Divyadhvani When the Lord is preaching the Gods with their music make the Lords voice infinite and full.
- ८. चामर समवसरणमां भगवंतनी बंने बाजु देवता रत्नजडित सुवर्ण दांडीवाळा श्वेत चामर वींजे छे.
- 8. Chamara In the Samavasarana the Gods fan the Lord from both the sides with white fans having gem studded gold handles.
- ९. सिंहासन समवसरणमां भगवंतने बेसवा माटे सिंहासन आकारना सुशोभित रत्नजड़ित सिंहासन देवता बनावे छे. तेना पर बेसी प्रभु देशना आपे छे.

- Sinhasana The Gods create a throne which
 is lion shaped and studded with gems, for
 the Lord to sit in the Samavasarana. The
 Lord sits on it and gives sermons.
- भामंडल समवसरणमां भगवंतना मस्तकना पाछळ भागमां, सूर्यथी पण अधिक प्रकाशमान देवता भामंडलनी रचना करे छे.
- Bhamandala In the Samavasarana, behind the Lords head, the Gods create a circle which is brighter than the Sun.
- ११. देव दुंदुभि भगवंतना समवसरणमां देवता देव दुंदुभि वगाडे
- Deva Dundubhi In the Samavasarana of the Lord, the Gods play the drum.
- १२. आत-पत्र ज्यां भगवंत विचरण करे छे त्यां भगवंतनी चारे बाजु एकसो पच्चीस योजन सुधी प्रायः रोग, वैर, मारी, मरकी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, दुष्काळ, पोताना अने बीजाना सैन्यनो भय आदि होतो नथी.
- 12. Āta-Patra Wherever the Lord exists, there on all the four sides of the Lord, for 125 yojanas there's no disease, enemosity, killing, floods, draught, epidemic disease and fear of others army.

Good health is your most valuable Asset: Promote it by a planned Vegetarian Diet

सिद्धनां आठ गुण SIDDHA'S 8 GUNA

(8 Qualities of Siddha's)

- अनंतज्ञान ज्ञानावरणीय कर्म क्षय थवाथी सिद्ध भगवंत लोक अलोकने पूर्ण रूपथी जाणी शके छे.
- Anantagnana After the karma which is an obstacle over the knowledge is destroyed, Lord Siddha can understand the world fully.
- २. अनंतदर्शन दर्शनावस्णीय कर्म क्षय थवाथी लोक अलोकना पूर्ण स्वरूपने जोई शके छे.
- Anantadarshana After the karma which is an obstacle over Darshana is destroyed, Lord Siddha can fully see the world.
- अव्याबाध सुख वेदनीय कर्म क्षय थवाथी अव्याबाध सुख प्राप्त थाय छे.
- Avyābadhā Sukha After the Karma which is an obstacle over pain is destroyed, infinite happiness is attained which is painless.
- ४. क्षायिक सम्यक्त्व मोहनीय कर्म क्षय थवाथी क्षायिक सम्यक्त्व प्राप्त थाय छे.
- Kshāyika Samyaktva The destruction of 'Mohaniya Karma' results in the attainment of 'Kshāyika Samyaktva'.
- ५. अक्षय स्थिति आयुष्य कर्म क्षय थवाथी अक्षय स्थिति प्राप्त थाय छे.

- 5. Akshaya Sthiti The destruction of 'Ayushya Karma' results in the attainment of 'Akshaya Sthiti'.
- ६. अरूपी नाम कर्म क्षय थवाथी वर्ण, गंध, रस अने स्पर्श आदि दोषोथी रहित थाय छे.
- Arūpi The destruction of 'Nāma Karma' releases one from the 'Varna, Gandha, Rasa and Sparsha' faults.
- अगुरुलघु गोत्र कर्म क्षय थवाथी उच्च गोत्र अने नीच गोत्रथी रिहत थाय छे.
- 7. Agurulaghu The destruction of 'Gotra Karma' releases one from high & low 'Gotras'.
- ८. अनंतवीर्य अनंत बळ प्राप्त थाय छे.
- 8. Ananta virya Infinite strength is attained.

जीवननुं मूल्य

आपणा महान पुण्योदये आ अणमोल मानव जीवन मळयुं छे. जीवनथी कंटाळो निह. जीवन जीवी जाणो. जीवन जीववा जेवुं छे ओ वातने स्वीकारो. विश्वमां सौथी मोंघी वस्तु होय तो ते आपणुं पोतानुं जीवन छे. देवो पण जीवनने झंखता होय ओ मानव जीवननुं मूल्य केटलुं कही शकाय?

अंधारामां हाथ लागेलो काच, काच निह पण कोहीनूर हीरो छे एम जाण्या पछी हवे आपणे अने केवो जाळवीए छीए!!

आ जीवननुं पण एवंज छे. एनी किंमत आगम ग्रंथोमां एटली आंकी छे के एनी एक पळ पण खोटी पसार न थाय. ए माटे आपणा चरम तीर्थपति श्री महावीर स्वामीए पण पोताना प्रधान शिष्य श्री गौतमस्वामीने कह्यं हतुं के ''समयं गोयम मा पमायए।''

आचार्यना ३६ गुण ĀCHĀRYA'S 36 GUŅA (36 Qualities of Āchārya)

श्रोतेन्द्रिय, चक्षुरिन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय, रसनेन्द्रिय अने	
स्पर्शेन्द्रिय आ (पांच) ५ ईन्द्रियोनो संवर करवाथी	५ गुण
Shrotendriya, Chakshurindriya, Ghrānendriya, Rasanendriya and Sparshendriya, By destroying these	
(five) 5 Indriya's	5 Guņa
(नव) ९ प्रकारनी ब्रह्मचर्यनी गुप्तिने धारण करवाथी	९ गुण
By taking (nine) 9 types of Brahmacharyas Guptis	9 Guṇa
क्रोध, मान, माया अने लोभ आ (चार) ४ कषायथी	
मुक्त थवाथी	४ गुण
(four) 4 Kashaya's	4 Guņa
अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य अने अपरिग्रह	
आ (पांच) ५ महाव्रतनुं पालन करवाथी	५ गुण
Non-violence, Truth, Achaurya, Brahmacharya and Aparigraha. By	
following these (five) 5 Mahavrata's	5 Guṇa
ज्ञानाचार, दर्शनाचार, चारित्राचार, तपाचार अने	
वीर्याचार. आ (पांच) ५ आचारनुं पालन करवाथी	५ गुण

Gyanāchāra, Darashanāchāra, Chāritrāchāra, Tapāchāra and Vīryāchāra. By following these (five) 5 Āchāras	5 Guņa
इरियासमिति, भाषासमिति, एसणासमिति, आदान भंड मत्त निक्षेपना समिति, उच्चार पासवण खेल जल	
सिंघाण परिट्ठावणिया समिति. आ (पांच) ५ समितिनुं पालन करवाथी Iriyāsamiti, Bhāshāsamiti, Eshanāsamiti, Ādāna, Bhanda Matta Nikshēpanā	५ गुण
Samiti Uchchāra Pāsavaņa Khēla Jala Singhāņa Paritthāvaņiyā Samiti, By following these (five) 5 Samitis	5 Guņa
मनगुप्ति, वचनगुप्ति, कायगुप्ति आ (त्रण) ३ गुप्तिनुं पालन करवाथी	३ गुण
Managupti, Vachanagupti, Kāyagupti. By following these (three) 3 Guptis	3 Guņa
कुल Total	=====================================

(Qualities)

Who is Jain?

J –Justice – न्याय

A -Affection - प्रेम

I –Introspection – आत्म-निरीक्षण

N -Nobility - भद्रता

उपाध्यायना २५ गुण UPADHYAYA'S 25 GUNAS

(25 Qualities of Upadhayaya's)

श्री आचारांग सूत्र, श्री सुयगडांग सूत्र, श्री स्थानांग सूत्र, श्री समवायांग सूत्र, श्री भगवती सूत्र, श्री ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र, श्री उपासकदशांग सूत्र, श्री अंतगडदशांग सूत्र, श्री अनुत्तरोववाई सूत्र, श्री प्रश्नव्याकरण सूत्र अने श्री विपाक सूत्र. आ अगियार (११) अंग स्वयं वांचे अने बीजाने भणावे. आ अगियार (११) अंगना ११ गुण Shri Acharanga Sutra, Shri Suyagadānga Sūtra, Shri Sthānanga Sūtra, Shrī Samavāyānga Sūtra, Shrī Bhagawati Shri Sütra. Gyātādharmakathānga Sūtra, Shri Upāsakadashānga Sūtra, Shri Antagadadashānga Sūtra, Shrī Anuttarovavāi Sūtra. Shri Prashnavyākaraņa Sūtra and Shrī Vipāka Sūtra. By reading these Eleven (11) Anga's on your own and teaching others. Of these Eleven (11) Angas 11 Guna

श्री उववाई सूत्र, श्री रायप्रश्नीय सूत्र, श्री जीवाभिगम सूत्र, श्री प्रज्ञापना सूत्र, श्री जंबुद्वीप प्रज्ञप्ति सूत्र, श्री चंद्रप्रज्ञप्ति सूत्र, श्री सूर्यप्रज्ञप्ति सूत्र, श्री निरयावलिका

सूत्र, श्री कप्पविंडिसया सूत्र, श्री पुप्फिया सूत्र, श्री पुप्फचुलिया सूत्र अने श्री विन्हदशा सूत्र. आ बार (१२) उपांग पोते भणे अने अन्यने भणावे. आ बार (१२) उपांगना	१२ गुण
Shrī Uvavāi Sūtra, Shrī Rāyaprashniya Sūtra, Shrī Jīvābhigama Sūtra, Shrī Pragnāpanā Sūtra, Shrī Jambudvip Pragnapti Sūtra, Shrī Chandra Pragnapti Sūtra, Shrī Sūrya Pragnapti Sūtra, Shrī Nirayāvalikā Sūtra, Shrī Kappavadinsayā Sūtra, Shrī Pupphiyā Sūtra, Shrī Pupphachuliyā Sūtra, and Shrī Vanhidashā Sūtra. By studying these Twelve (12) Upāngas on your own and teaching others.	
Of these Twelve (12) Upānga's	12 Guņa
चरणसत्तरी अने करणसत्तरी आ बंनेनुं शुद्धताथी पालन करवाथी	२ गुण
following these two (2) purely & properly	2 Guṇa
कुल Total	

The Acharanga Sutra Says:
"Those whose minds are at peace and who are free from passions do not desire to live at the expense of others".

(Qualities)

साधुजीना २७ गुण SADHUJI's 27 GUŅA (27 Qualities of Sādhus (Saints)

अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य अने अपरिग्रह आ	
पांच (५) महाव्रतनुं पालन करवाथी	५ गुण
Non-violence, Truth, Achaurya, Brahmacharya and Aparigraha. By following these Five (5) Mahāvratas	5 Guṇa
जावज्जीव (आजीवन) रात्रिभोजननो सर्वथा त्याग	
करवाथी	१ गुण
By not having food at night for the entire life time	1 Guṇa
पृथ्वीकाय, अपकाय, तेउकाय, वाउकाय, वनस्पतिकाय अने त्रसकाय आ छ (६) कायनी रक्षा करवाथी	६ गुण
Prithvikāya, Apakāya, Teukāya, Vāukāya, Vanaspatikāya and Trasakāya. By protecting these Six (6) Kāya's	6 Guņa
श्रोतेन्द्रिय, चक्षुरिन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय, रसनेन्द्रिय, अने स्पर्शेन्द्रिय. आ पांच (५) इन्द्रिय पर संयम करवाथी. Shrotendriya, Chakshurindriya, Ghrānendriya, Rasanendriya and	५ गुण
Sparshendriya. By having a control over these Five (5) Indriyas	5 Guņa
क्रोध, मान, माया अने लोभ आ चार (४) कषायोने	
छोडवाथी	१ गुण

By getting rid of the Four (4) Kashayas — Anger, Self-respect, Attachments	
and Miserness	1 Guṇa
सर्व जीवो पर क्षमा भाव राखवाथी	१ गुण
By keeping a feeling of forgiveness towards all	1 Guṇa
भाव विशुद्धिथी चित्त निर्मल राखवाथी By keeping the mind pure	१ गुण 1 Guṇa
बाह्य उपकरण आदि प्रतिलेखन करवाथी By Keeping Apparatus Neat & Clean	१ गुण 1 Guṇa
संयम योगना विषयमां युक्त थवाथी By learing a yoga to keep control	१ गुण 1 Guṇa
मन-वचन अने कायाने अयोग्य कार्यमां जतां	
रोकवाथी	३ गुण
from doing wrong things	3 Guṇa
शीत आदि बावीस (२२) परिषह सहन करवाथी	१ गुण
By bearing Shita and Twenty two (22) Parishahas	1 Guṇa
मृत्यु सुधी उपसर्ग सहन करे परंतु धर्मने निह	
छोड़वाथी	१ गुण
By bearing Upasarga until death but not leaving the (dharma) religion	1 Guṇa
कुल Total	२७ गुण 27 Guṇa

६३ शलाका पुरुषोना नाम 63 SHALĀKĀ PURUSHA's NAME

२४ तीर्थंकरोना नाम 24 TĪRTHANKARA'S NAME

- ्रः श्री ऋषभदेव स्वामी
 - 1. Shri Rishabhadeva Swami
- २. श्री अजितनाथ स्वामी
 - 2. Shri Ajitanatha Swami
- ३. श्री संभवनाथ स्वामी
- 3. Shri Sambhavanātha Swāmi
- ४. श्री अभिनंदन स्वामी
- 4. Shri Abhinandana Swāmi
- ५. श्री सुमितनाथ स्वामी
- 5. Shri Sumatinatha Swami
- ६. श्री पद्मप्रभु स्वामी
- 6. Shri Padmaprabhu Swami
- ७. श्री सुपार्श्वनाथ स्वामी
- 7. Shri Supārshvanātha Swāmi
- ८. श्री चंद्रप्रभु स्वामी
- 8. Shri Chandraprabhu Swāmi
- ९. श्री सुविधिनाथ स्वामी
- 9. Shri Suvidhinatha Swami

- १०. श्री शीतलनाथ स्वामी
- 10. Shri Shitalanatha Swami
- ११. श्री श्रेयांसनाथ स्वामी
- 11. Shri Shreyansanatha Swami
- १२. श्री वासुपूज्य स्वामी
- 12. Shri Vasupujya Swami
- १३. श्री विमलनाथ स्वामी
- 13. Shri Vimalanatha Swami
- १४. श्री अनंतनाथ स्वामी
- 14. Shri Anantanatha Swami
- १५. श्री धर्मनाथ स्वामी
- 15. Shri Dharmanatha Swami
- १६. श्री शांतिनाथ स्वामी
- 16. Shri Shantinatha Swami
- १७. श्री कुंथुनाथ स्वामी
- 17. Shri Kunthunatha Swami
- १८. श्री अरनाथ स्वामी
- 18. Shri Aranatha Swami
- १९. श्री मल्लिनाथ स्वामी
- 19. Shri Mallinātha Swāmi
- २०. श्री मुनिसुव्रत स्वामी
- 20. Shri Munisuvrata Swami
- २१. श्री नमीनाथ स्वामी
- 21. Shri Naminatha Swami

- २२. श्री नेमिनाथ स्वामी
- 22. Shri Neminatha Swami
- २३. श्री पार्श्वनाथ स्वामी
- 23. Shri Parshvanatha Swami
- २४. श्री महावीर स्वामी
- 24. Shri Mahavira Swami

१२ चक्रवर्तीना नाम 12 CHAKRAVARTI'S NAME

- १. भरत
- २. सगर
- ३. मघवा
- ४. सनतकुमार
- ५. शांतिनाथ
- ६. कुंथुनाथ
- ७. अरनाथ
- ८. सुभुम
- ९. महापद्म
- १०. हरीषेण
- ११. जय
- १२. ब्रह्मदत्त

- 1. Bharata
- 2. Sagara
- 3. Maghavā
- 4. Sanatakumāra
- 5. Shāntinātha
- 6. Kunthunatha
- 7. Aranatha
- 8. Subhuma
- 9. Mahapadma
- 10. Harishena
- 11. Jaya
- 12. Brahmadatta

९ वासुदेवना नाम 9 VĀSUDĒVA'S name

१. त्रिपृष्ट

२. द्विपृष्ट

३. स्वयंभु

४. पुरुषसिंह

५. पुरुषोत्तम

६. पुंडरिक

७. श्रीदत

८. लक्ष्मण

९. श्री कृष्ण

1. Triprushta

2. Dviprushta

3. Swayambhu

4. Purushasinha

5. Purushottam

6. Pundarika

7. Shridata

8. Lakshamana

9. Shri Krishna

९ प्रति वासुदेवना नाम 9 PRATI VÄSUDĒVA'S NAME

१. अश्वग्रीव

२. तारक

३. मेराक

४. कैरभ

५. निसुंभ

६. बली

७. प्रहलाद

८. रावण

९. जरासंघ

1. Ashavagrīva

2. Tāraka.

3. Merāka

4. Kairabha

5. Nisumbha

6. Bali

7. Prahalada

8. Rāvaņa

9. Jarāsangha

९ बळदेवना नाम 9 BALADEVA'S NAME

१. अचल

२. विजय

३.,भद्र

४. सुप्रभ

५. सुदर्शन

६. आनंद

७. नंदन

८. राम

९. बलभद्र

1. Achala

2. Vijaya

3. Bhadra

4. Suprabha

5. Sudarshana

6. Ānańda

7. Nandana

8. Rāma

9. Balabhadra

अंडों से पित्ताशय में पथरी (Eggs cause Gall Stones)

"An egg contains about 4 grains of Cholesterol. When eggsare eaten the Cholesterol content of the blood rises and the tendency towards the development of gall stones and perhaps other diseases increases."

- Dr. R. Bert Gross & Prof. Irving Davidson (England)

एक अंडे में लगभग 4 ग्रेन कोलेस्टरोल होता है। जब अंडे खाये जाते हैं तो खून में कोलेस्टरोल की मात्रा बढ़ जाती है जिसके कारण पिताशय में पत्थरी और दूसरी बीमारियां पैदा हो जाती है।

— डा. राबर्ट ग्रास और प्रो. इरविंग डैविडसन (इंग्लैंड)

११ गणधरोंना नाम 11 GANADHARA'S NAME

१.	श्री ईन्द्रभूतिजी	1.	Shrī Îṅdrabhữtijī
₹.	श्री अग्निभूतिजी	2.	Shrī Agṅibhutijī
₹.	श्री वायुभूतिजी	3.	Shrī Vayubhūtiji
٧.	श्री व्यक्तस्वामी	4.	Shri Vyaktaswāmi
ц.	श्री सुधर्मास्वामी	5.	Shri Sudharmaswami
ξ.	श्री मंडितपुत्रजी	6.	Shrī Manditapūtrajī
७ .	श्री मौर्यपुत्रजी	7.	Shrī Mauryaputrajī
۷.	श्री अंकपितजी	8.	Shri Ańkapitaji
९.	श्री अन्ग्लभ्राताजी	9.	Shrī Achalabhrātājī
१०.	श्री मेतार्यजी	10.	Shrī Metāryajī
११.	श्री प्रभासजी	11.	Shrī Prabhāsajī

फेशन: (अ) मांसाहारी खोराकने हालमां फेशन गणवामां आवे छे. कोईने आ रीते विचारता रोकी न शकाय. पण फेशनमां भाग्ये ज कोई सिद्धांत होय छे. व्यक्तिना के समुहना तरंगों ज तेमां छता थता होय छे. (ब) माणस बीजा माणसने मारीने खाय त्यारे तेने नरभक्षी के जंगली कहेवामां आवे छे. ज्यारे प्राणीओ, पंखीओं के माछलीओं वगेरेने मारीने खानारने फेशनेबल खपवाय छे. आ केवी रीते साचुं कही शकाय? (क) भारतना जे लोको मांस खाय छे तेमां कंई मोटाई नथीं. अथी ऊलटुं जे लोको मांस खावाने टेवायेला हता अने समजपूर्वक — संयम राखी मांस खावानुं त्यजी दे छे तेमां ज खरी मोटाई छे.

१६ सतीओना नाम 16 SATĪ'S NAME

₹.	श्री ब्राह्मीजी	1.	Shri Brāhmiji
₹.	श्री सुंदरीजी	2.	Shrī Sundariji
₹.	श्री कौशल्याजी	3.	Shrī Kaushalyājī
8.	श्री सीताजी	4.	Shrī Sītajī
ч.	श्री राजेमतीजी	5.	Shrī Rajematījī
ξ.	श्री कुंतीजी	6.	Shri Kuṅtiji
७ .	श्री द्रौपदीजी	7.	Shri Draupadiji
۷.,	श्री चंदनबालाजी	8.	Shrī Chandanbalajī
۹.	श्री मृगावतीजी	9.	Shrī Mrugāvatījī
१०.	श्री पुष्पचुलाजी	10.	Shrī Pushpachulājī
११.	श्री प्रभावतीजी	11.	Shri Prabhāvatiji
१२.	श्री सुभद्राजी	12.	Shri Subhadrāji
१३.	श्री दमयंतीजी	13.	Shri Damayantiji
१४.	श्री सुलसाजी	14.	Shrī Sulasājī
१५.	श्री शिवाजी	15.	Shrī Shivajī
१६.	श्री पद्मावतीजी	16.	Shrī Padmāvatījī

Do Eggs form part of the Vegetarian Diet?

No — It is non-vegetarian, being an animal product. By false propoganda, producers and poultry farms call the unfertilised eggs as vegetarian eggs. This is not true.

१० श्रावकोना नाम 10 SHRĀVAKA'S NAME

- १. आनंद
- २. कामदेव
- ३. चुलणीपिता
- ४. सुरादेव
- ५. चुलशतक
- ६. कुंडकौलिक
- ७. सकडाल पुत्र
- ८. महाशतक
- ९. नंदिनीपिता
- १०. शालिहीपिता

- 1. Ānanda
- 2. Kāmdeva
- 3. Chulanipitā
- 4. Surādeva
- 5. Chulashataka
- 6. Kundakaulika
- 7. Sakadāla Putra
- 8. Mahāshataka
- 9. Nandinipitā
- 10. Shālihipitā

अंडों से टी.बी. पेचिश (Eggs cause T.B. & White Diarrhoea)

"Chicken diseases are very numerous. Eggs may carry tuberculosis from Chickens. If an infected chick survices, it will mature and lay infected eggs. Chicken leukaemia may be transmitted through the egg. Hens infected with white diarrhoea will lay eggs containing the germs which usually co-exit with the colitis symptom complex in human being."

— Dr. Robert Gross (England)

मुर्गी बच्चों में बहुत सी बीमारियां होती हैं। अंडे उन बीमारियों को विशेषतया टी.बी. पेचिश आदि के कीटाणुओंको अपने साथ लाते हैं और इनको खाने वालों में पैदा करते हैं।

स्थानकवासी परंपरा अनुसार According to Sthānakwāsī Tradition

बत्रीस सुत्रोना नाम NAME OF 32 SUTRAS

अगियार अंग सूत्र 11 ANGA SUTRA

- १. श्री आचारांग सूत्र
- 1. Shri Āchāraṅga Sūtra
- २. श्री सुत्रकृतांग सूत्र
- 2. Shri Sutrakrutānga Sūtra
- ३. श्री स्थानांग सूत्र
- 3. Shri Sthananga Sutra
- ४. श्री समवायांग सूत्र
- 4. Shri Samavāyānga Sūtra
- ५. श्री भगवती सूत्र
- 5. Shri Bhagavati Sutra
- ६. श्री ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र
- 6. Shri Gnatadharmakathanga Sutra
- ७. श्री उपासकदशांग सूत्र
- 7. Shri Upāsakadashānga Sūtra
- ८. श्री अंतकृतदशांग सूत्र
- 8. Shri Antakrutadashanga Sutra

- ९. श्री अनुत्तरोववाई सूत्र
- 9. Shri Anuttarovavai Sutra
- १०. श्री प्रश्नव्याकरण सूत्र
- 10. Shri Prashnavyākaraņa Sūtra
- ११. श्री विपाक सूत्र
- 11. Shri Vipaka Sutra

१२ उपांग सूत्र 12 UPĀNGA SŪTRA

- १. श्री उववाई सूत्र
- 1. Shrī Uvavāī Sūtra
- २. श्री राजप्रश्नीय सूत्र
- 2. Shri Rajaprashniya Sütra
- ३. श्री जीवाभिगम सूत्र
- 3. Shri Jivabhigama Sutra
- ४. श्री प्रज्ञापना सूत्र
- 4. Shri Pragnapana Sutra
- ५. श्री जंबुद्वीप-प्रज्ञप्ति सूत्र
- 5. Shri Jambudvipa-Pragnapti Sutra
- ६. श्री चंद्र प्रज्ञप्ति सूत्र
- 6. Shri Chandra-Pragnapti Sutra
- ७. श्री सूर्यप्रज्ञप्ति सूत्र
 - 7. Shri Surya-Pragnapti Sutra

- ८. श्री निरयाविकका सूत्र
- 8. Shri Nirayavalika Sutra
- ९. श्री कप्पवडिंसया सूत्र
- 9. Shri Kappavadinsaya Sutra
- १०. श्री पुप्फिया सूत्र
- 10. Shri Pupphiya Sutra
- ११. श्री पुप्फ चुलिया सूत्र
- 11. Shri Puppha Chuliya Sutra
- १२. श्री वन्हिदशा सूत्र
- 12. Shri Vanhidasha Sutra

चार मूल सूत्र 4 MÜLA SÜTRA

- १. श्री नंदी सूत्र
- 1. Shri Nandi Sutra
- २. श्री अनुयोगद्वार सूत्र
- 2. Shri Anuyogadvara Sūtra
- ३. श्री दशवैकालिक सूत्र
- 3. Shri Dashavaikalika Sutra
- ४. श्री उत्तराध्ययन सूत्र
- 4. Shri Uttaradhyayana Sutra

चार छेद सूत्र 4 CHHEDA SUTRA

- १. श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र
- 1. Shri Dashashrutaskandha Sūtra
- २. श्री व्यवहार सूत्र
- 2. Shri Vyavahara Sutra
- ३. श्री महानिशीथ सूत्र
- 3. Shri Mahanishitha Sutra
- ४. श्री बृहद्कल्प सूत्र
- 4. Shri Bruhadkalpa Sutra

अंतिम आवश्यक सूत्र Anatima Āvashyaka Sūtra

सन्त सेंट फ्राँसिस ने कहा

St. Francis of Assisi - A Christian Poet Says:
All creatures Feel as we do,
All creatures Long for
Happiness as we do
All the animals of the world Live,
Suffer and die Just as we do,
Therefore the yare Like us,
Created by Almighty
God-our BROTHER

सभी जीव-जन्तु हमारी तरह ही सुख-दुख का अनुभव करते हैं और प्रसन्न रह कर जीने की कामना करते हैं। विश्व के सभी प्राणी मनुष्य की ही तरह जन्मते और मरते हैं। इस प्रकार अन्य प्राणियों और मनुष्य में कोई अन्तर नहीं है। परमात्मा ने उन्हें हमारे बन्धुओं के रूप में ही उत्पन्न किया है।

शाकाहारी शा माटे बनवुं जोईए? आहार केवो होवो जोईए तेनो निर्णय करवा सरखाववा जेवा केटलाक मुद्दाः

मांसाहार

कसाइखाने कतल थता प्राणी क्यारे तमे जोया छे? मांसनो आहार करनारे पण आ नहि जोयुं होय. ओ निर्दयता अने घातकीपणुं जोइने ज मांस खावानुं छोडी देवानुं मन थई जशे.

बजारमां के दुकानमां लटकतां मांस के मच्छीनो देखाव के वास तमने केवां लागे छे? तमने गमे छे?

प्राणीओनी कतल थती होय ते वखते प्राणीओ तेमनो सामनो के विरोध करे छे? तेमनी चीसो के तेमना शरीरमांथी लटकती लोहीनी सेरो जोईने केवी लागणी अनुभवाय छे?

तमारी जाते कोई जीवता प्राणीने हताल करीने तमे खाई शको खरा? वनस्पतिना जीव अने प्राणीना जीव व चे कशो फरक देखाय छे?

मांसने जोवा मात्रथी ते निरोगी के रोगी प्राणीनुं मांस छे, या खराब थयेलुं अने न खाई शकाय तेवुं छे ते नक्की करी शकशो?

शाकाहार

फळ, शाकभाजी के अनाज वगेरे वाववामां आवे त्यारथी ते तैयार थई अने चुंटवामां के वीणवामां आवे त्यां सुधीमां तमे क्यारेय आवी घातकीपणानी लागणी अनुभवो छो? फळ, शाक के अनाजनी दुकान पासेथी पसार थती वखते तेनी वास अने देखाव तमने केवा लागे छे? तमने गमे छे?

छोड के झाड परथी अनाज, फळ-फळादि, शाक, वगेरे चुंटो छो त्यारे वनस्पति कोईपण जातनो विरोध करे छे?

तमे फळ-फळादि, शाकभाजी वगेरे तमारी जाते खाई शको खरा?

जो बन्नेना जीवमां फरक न होय तो तमारा पाळेला कुतरानी जेम तमे गाजर, कोबीज के बीजी वनस्पतिने साथे फरवा लई जई शको या आनंद करी शको?

शाक, फळ, अनाज के बीजा कोई वनस्पतिने सुंघीने के जोईने ते बगडेलुं छे के सारुं छे ते जाणी शकाय छे. खरुं ने?

Name of the Donars for this Book

SHRI ANILBHAI BATVIYA	1000
SHRI GIRISHBHAI SHANTILAL MEHTA	1000
SHRI SHANTILAL VIRCHAND MOTANI	1000
SHRI KIRTIKUMAR JETHALAL SHAH	1000
SHRI MAYURBHAI BHUPATLAL SHAH	1000
SHRI JAYVANTBHAI JAGNNATH JASANI	1000
SHRI AMULAKH LAKSHMICHAND MANIYAR	610
SMT. CHANDRIKABAHEN VASANTRAI RUPANI	500
SMT. TARLABAHEN TARACHAND DOSHI	500
SMT. RAMABAHEN PURSHOTAMBHAI DADIA	500
SMT. MANJULABAHEN CHANDRAKANT BADANI	500
SHRI UTTAMCHAND DOSABHAI DADIA	500
SMT. CHHABALBAHEN AMRUTLAL DADIA	500
SHRI DHIRAJLAL TARACHAND BADANI	500
SHRI NATHALALBHAI RUPANI	500
SHRI VRAJLAL KAPURCHAND GANDHI	500
SHRI KATHIAVAD STHANAKWASI JAIN SANGH-DHULIA	500
SHRI KESARICHAND MOHANLAL MEHTA	500
SHRI V.S.JAIN SHRAVAKA SANGH MULUND (WEST)	500
SHRI JAGDISHBHAI MANSUKHLAL SHAH	500
SHRI V.S. JAIN SHRAVAKA SANGH CHECKNAKA MULUND	500
SMT. SARASWATIDEVI CHAMANLAL JAIN	500
SMT. SHANTABAHEN MOHANLAL DOSHI	500
SMT. TARABAHEN CHIMANLAL KAMDAR A. TRUST	500
SHRI RAMESHCHANDRA JAGNATH KOTHARI	500

